E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 185 | प्रयागराज, गुरूवार 12 नवंबर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

अमेरिकी संसद में हेगसेथ को हटाने का प्रस्ताव नामंज़ूर,ईरान में बिना मंजूरी जंग छेड़ने का था आरोप

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को पद से हटाने के लिए लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को फिलहाल रोक दिया है। सदन के ज्यादातर सदस्यों ने मंगलवार को इस प्रस्ताव को रिपब्लिकन पार्टी वेड नियंत्रण वाली न्यायपालिका समिति के पास भेजने के पक्ष में वोट दिया। इससे प्रस्ताव पर आगे की कार्रवाई फिलहाल रुक गई। राष्ट्रपति ट्रम्प ने प्रस्ताव खारिज होने पर खुशी जताई। केंटकी से रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी ने सोमवार को हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग के 8 आरोपों वाला प्रस्ताव पेश किया था। आरोप था कि हेथसेग ने अमेरिकी संसद की मंजूरी के बिना ईरान के खिलाफ 90 दिनों से ज्यादा समय तक युद्ध चलाया। उन पर ड्रग्स तस्करी के शक में नावों पर अमेरिकी हमलों के दौरान बिना कानूनी प्रक्रिया के लोगों की हत्या कराने का भी आरोप लगाया गया था। संसद में मंगलवार को हुए मतदान में प्रस्ताव के समर्थन में 204 और



विरोध में 211 वोट पड़े। 11 डेमोक्रेट समेत कई सांसद मतदान में शामिल नहीं हुए। हेगसेथ ने मंगलवार को पेंटागन में करीब 6 महीने बाद पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने महाभियोग की कोशिश को बकवास और साजिश बताया। उन्होंने इसे सांसद थॉमस मैसी की राजनीतिक चाल बताया। हेगसेथ ने कहा कि यह प्रस्ताव राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। इससे अमेरिका के दुश्मनों को लगेगा कि देश अपने सैनिकों और अधिकारियों को कानूनी सैन्य कार्रवाई के लिए सजा देता है। उन्होंने कहा, 'यह देशभक्ति नहीं, बल्कि देश के खिलाफ साजिश है।' उन्होंने कहा कि मैसी से उनके नीतिगत मतभेद हैं। लेकिन उन्होंने न कोई गंभीर अपराध किया है, न कानून तोड़ा, न देशद्रोह या रिश्वत का मामला है। उनके मुताबिक, महाभियोग के लिए संविधान में बताए गए किसी अपराध में वे शामिल नहीं हैं। मैसी ने माना था कि उनका प्रस्ताव तुरंत पास होना मुश्किल है। हालांकि, उनका मकसद ट्रम्प पर हेगसेथ को हटाने का दबाव बनाना था, ताकि डेमोक्रेट्स वेड नया महाभियोग प्रस्ताव लाने से पहले नया रक्षा मंत्री चुना जा सके। मैसी का कहना था कि अभी हेगसेथ को हटाने से रिपब्लिकन सरकार के रहते सीनेट नए मंत्री की नियुक्ति को मंजूरी दे सकेगी। अमेरिकी नियमों के मुताबिक, महाभियोग प्रस्ताव संसद का कार्यकाल खत्म होने के बाद भी जारी रह सकता है। जनवरी में डेमोक्रेट्स के दोनों सदनों का नियंत्रण संभालने के बाद वे अगले साल हेगसेथ के खिलाफ फिर कार्रवाई कर सकते हैं। मैसी इस साल हुए चुनाव में ट्रम्प समर्थित उम्मीदवार से हार गए थे। फरवरी में ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू होने के बाद से ही वे ट्रम्प और उनकी सैन्य नीति की आलोचना करते रहे हैं। इससे पहले भी मैसी ने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलें सार्वजनिक करने की मांग की थी। इस मुद्दे पर भी उन्होंने ट्रम्प प्रशासन को घेरा था, जिससे राष्ट्रपति उनसे नाराज हो गए थे।

एनवीडिया के सीईओ का तलाक हुआ तो सबसे महंगा होगा,पत्नी को रु7 लाख करोड़ मिलेंगे, दुनिया की चौथी सबसे अमीर महिला बन जाएंगा

वॉशिंगटन डीसी। दुनिया की सबसे बड़ी चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेन्सन हुआंग और उनकी पत्नी लोरी के बीच तलाक की अटकलें तेज हो गई हैं। अगर दोनों का तलाक होता है तो लोरी को करीब 7.20 लाख करोड़ रुपए मिल सकते हैं, जो इतिहास का सबसे महंगा तलाक समझौता होगा। साथ ही लोरी दुनिया की चौथी सबसे अमीर महिला भी बन जाएंगी। जेन्सन और लोरी ने 1985 में शादी की थी और उनके दो बच्चे हैं। जेन्सन ने 8 नवंबर को एक चीनी महिला के साथ अफेयर की बात मानी थी। हालांकि, लोरी ने तलाक को लेकर अब तक कोई बयान नहीं दिया है। जेन्सन और लोरी अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में रहते हैं। यहां के कानून के मुताबिक, शादी के दौरान बनी संपत्ति में पत्नी की 50फीसदी हिस्सेदारी होती है। 1993 में शुरू हुई एनवीडिया का मार्केट कैप करीब 405 लाख करोड़ रुपए है, जबकि जेन्सन की निजी संपत्ति 14.56 लाख करोड़ रुपए है। ऐसे में लोरी को करीब 7.20 लाख



करोड़ रुपए मिल सकते हैं। यह 2021 में बिल गेट्स और मेलिंडा के बीच हुए 7.10 लाख करोड़ रुपए के तलाक समझौते से भी ज्यादा होंगे। जेन्सन ने लिखा- मुझसे गलती हुई, मैं शर्मिंदा हूं:- जेन्सन हुआंग ने रविवार को एनवीडिया के सभी कर्मचारियों को एक इंटरनल मैसेज भेजा। इसमें उन्होंने स्वीकार किया कि वे अपनी पत्नी के प्रति वफादार नहीं रहे। हुआंग ने लिखाः- 'मेरे इस कदम से मेरी पत्नी और बच्चों को गहरा दुख पहुंचा है। मुझे इसका पछतावा है। मेरी जिम्मेदारी आप सभी का भरोसा बनाए रखने की थी, लेकिन मैं इसमें नाकाम रहा।' हालांकि, अपने इस संदेश में उन्होंने किसी महिला का नाम नहीं लिया। जिस महिला के साथ जेन्सन के संबंधों की बात आई है, उसका नाम एलिस हुआंग है। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को शक है कि वह चीन के खुफिया विभाग के लिए काम कर रही थीं। एलिस हुआंग चीन की नागरिक हैं। वे सिंगापुर की डेटा सेंटर कंपनी 'मेगास्पीड' में सीनियर एग्जीक्यूटिव के पद पर काम कर चुकी हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि एलिस टेक और डेटा सेंटर बिजनेस में आने से पहले टीवी रिपोर्टर थीं। उनके निजी जीवन की ज्यादा डिटेल्स मौजूद नहीं हैं। जेनसन की संपत्ति 6.92 लाख करोड़ तक घटीः-एलिस-जेनसन के संबंधों और जासूसी मामले की जांच शुरू होने के बाद से एनवीडिया के शेयर 5फीसदी तक गिर चुके हैं। जेनसन की संपत्ति 6.92 लाख करोड़ रु. तक घट चुकी हैं। जेनसन फोर्ब्स की अमीरों की सूची में दो स्थान खिसककर 10वें पर आ गए हैं। इस उथल-पुथल के बीच निवेशक 17 नवंबर को आने वाले कंपनी के तिमाही नतीजों पर नजर टिकाए हुए हैं। एनवीडिया बोर्ड भी जांच कर रहाः-एनवीडिया का बोर्ड इस बात की भी जांच कर रहा है कि कहीं हुआंग किसी विदेशी खुफिया एजेंसी के जाल में तो नहीं फंस गए थे। फॉक्स न्यूज के मुताबिक, बोर्ड ने कहा है कि अब तक उसे ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे लगे कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा या कंपनी की गोपनीय जानकारी खतरे में पड़ी हो। इसी बीच, सोमवार को कंपनी के शेयरधारकों ने एनवीडिया और हुआंग के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उनका आरोप है कि कंपनी ने हुआंग के कथित संबंधों से जुड़ी जानकारी निवेशकों से छिपाई।

बांग्लादेश में हिंसा- 24 घंटे में 22 वाहन फूंके, ट्रेन का कोच भी जलाया,पूर्व पीएम हसीना की वापसी के ऐलान पर तनाव

ढाका। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी के ऐलान के बाद बांग्लादेश में हिंसा फिर भड़क गई है। सोमवार रात से मंगलवार शाम तक देश के कम से कम 21 जिलों में आगजनी की घटनाएं सामने आईं। बसों और ट्रेन के कोच में आग लगाई गई। सरकारी दफ्तरों और शिक्षण संस्थानों के गेट भी बंद कर दिए गए।बांग्लादेश पुलिस और ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 11 जिलों में 22 वाहनों को आग लगाई गई। ढाका और छह अन्य जिलों में कम से कम 28 जगह देसी बम धमाकों की घटनाएं हुईं। पुलिस मुख्यालय का दावा है कि इन घटनाओं के पीछे शेख हसीना की पार्टी के समर्थक हैं। पुलिस के मुताबिक, हसीना की बांग्लादेश वापसी की घोषणा के बाद हिंसा की घटनाएं शुरू हुईं। सोमवार देर रात फरीदपुर शहर के गोलाचामट इलाके में न्यू बस टर्मिनल पर खड़ी एक बस में आग लगा दी गई। पुलिस के मुताबिक, बाइक पर तीन लोग आए थे। इनमें से एक



ने बस पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। घटना के समय बस ड्राइवर मोहम्मद कलाचन अंदर सो रहे थे। आग लगने के बाद वे बाहर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन धुआं सांस में जाने से उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कलाचन गोपालगंज जिले के मुक्सुदपुर उपजिला के दिगनगर गांव के रहने वाले थे। चट्टोग्राम के पहाड़तली इलाके वेड सागरिका और कलूरघाट में दो यात्री बसों को आग लगा दी गई। बरगुना के बेतागी में नगर निगम के ट्रक और मानिकगंज बस स्टैंड पर एक बस को फूंक दिया गया। नाओगांव में अल बराका परिवहन की दो बसें भी आग की चपेट में आ गईं। किशोरगंज के बाजितपुर में कॉलेज की बस जला दी गई। ढाका के पास सावर और धामराई में अलग-अलग घटनाओं में दो वाहनों को निशाना बनाया गया। हालांकि, पुलिस ने दावा किया कि नाटोर में सामान से लदे ट्रक में आग दुर्घटनावश लगी थी। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पः-मंगलवार सुबह गोपालगंज के टुंगीपाड़ा में तनाव बढ़ गया। सुबह करीब 9:30 बजे प्रतिबंधित छात्र लीग के कार्यकर्ताओं ने गोहारडांगा चौरंगी चौराहे पर सामान जलाकर सड़क जाम कर दी। बाद में अवामी लीग और जुबो लीग के कार्यकर्ता भी उनके साथ शामिल हो गए। प्रदर्शनकारी जब पाटगाती बाजार की ओर जुलूस निकाल रहे थे,आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...

एलओसी पर पाक ने 50 एंटी ड्रोन यूनिट लगाईं,इनमें ज्यादातर पीओके में,ऑपरेशन सिंदूर के बाद स्ट्रैटजी बदली

कश्मीर। ऑपरेशन सिंदूर में मुंह की खाने के बाद पाकिस्तान अब हवाई हमले पर काम कर रहा है। आर्मी चीफ आसिम मुनीर के प्लान में ड्रोन वॉर फेयर को 'फर्स्ट लाइन ऑफ डिफेंस एंड फर्स्ट लाइन ऑफ अटैक' बनाया गया है। एलओसी (नियंत्रण रेखा) के सामने वाले पाकिस्तान के इलाकों में 50 से ज्यादा स्पेशल एंटी-ड्रोन यूनिट तैनात की गई हैं। खास बात है कि नवंबर में ही 20 नई यूनिट तैनात की गई हैं। इनका टारगेट भारतीय ड्रोन और लोइटरिंग म्यूनिशन की पहचान करना, उनकी गतिविधियों पर नजर रखना और उन्हें निष्क्रिय करना है। पुंछ, राजौरी, नौशेरा के ठीक सामने इनकी तैनातीः-पाकिस्तान ने एंटी ड्रोन सिस्टम खास तौर पर पीओके (पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर) के रावलकोट, कोटली और भिंबर सेक्टर में तैनात किए हैं। इनकी तैनाती में पाकिस्तान की 12वीं और 23वीं इन्फैंट्री डिवीजन की भूमिका है। रावलकोट में दूसरी, कोटली में तीसरी और भीमबर में सातवीं



आजाद कश्मीर ब्रिगेड को इनकी जिम्मेदारी दी गई है। ये क्षेत्र भारतीय सेना के पुंछ, राजौरी, नौशेरा और सुंदरबनी सेक्टर के ठीक सामने पड़ते हैं। पाकिस्तान की सैन्य रणनीति में एआई पर फोकसः-ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की सैन्य रणनीति में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आधुनिक निगरानी तकनीक (सर्विलांस टेक्नोलॉजी) की भूमिका भी काफी हद तक बढ़ रही है। एआई की मदद से कैमरों और सेंसर से मिलने वाले डेटा का विश्लेषण, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और निगरानी को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। चीन और तुर्किये से एंटी-ड्रोन तकनीक ले रहाः-पाकिस्तान ने चीन से एचक्यू 17ऐई शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम और तुर्किये से कोरकुट एंटी-एयरक्राफ्ट गन तथा एहिन काउंटर-ड्रोन सिस्टम की खरीद की है। पाक ने 35 एमएम आइरलिकॉन एंटी-एयरक्राफ्ट गन और एनजा एमके 2 मिसाइलों को भी एयर डिफेंस में शामिल किया है। पाकिस्तान ने एलओसी पर अपने काउंटर-ड्रोन सिस्टम में स्पाइडर और सफरा को शामिल किया है। स्पाइडर सिस्टम रेडियो फ्रीक्वेंसी डिटेक्शन और दिशा निर्धारित करने की तकनीक से ड्रोन का पता लगाने के लिए इस्तेमाल होता है। इसकी रेंज 10 किमी तक है। सफरा पोर्टेबल ड्रोन जैमिंग गन है। 15 किमी रेंज वाला सफरा ड्रोन के कंट्रोल, वीडियो और जीपीएस सिग्नल को बाधित कर सकता है।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...

आईबीएम ने कंसल्टिंग पदों पर एच-1बी वीजा स्पॉन्सरशिप रोकी,ग्रीन कार्ड भी बंद किया,कहा- अमेरिका में काम कर रहे विदेशी नौकरी छोड़ें या देश

वॉशिंगटन डीसी। टेक कंपनी आईबीएम ने अमेरिका में अपने कंसल्टिंग बिजनेस के ज्यादातर



पदों के लिए एच-1बी वीजा और ग्रीन कार्ड स्पॉन्सरशिप बंद करने का फैसला किया है।

इस फैसले का असर उन विदेशी कर्मचारियों पर पड़ेगा, जो अमेरिका में काम करने के लिए कंपनी की वीजा स्पॉन्सरशिप पर निर्भर हैं। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, प्रभावित कर्मचारियों को साल के अंत तक अमेरिका से बाहर रहकर आईबीएम के लिए काम जारी रखने या कंपनी छोड़ने का विकल्प दिया गया है।

यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब ट्रम्प प्रशासन ने कानूनी इमिग्रेशन और कंपनियों की ओर से स्पॉन्सर किए जाने वाले वीजा की जांच बढ़ा दी है। एच-1बी और पी.ई.आर.एम प्रक्रिया पर पड़ेगा असरः- आईबीएम का फैसला एच-1बी वीजा प्रोग्राम और पी.ई.आर.एम प्रक्रिया के तहत आने वाले आवेदनों पर लागू होगा। पी.ई.आर.एम यानी प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक रिव्यू मैनेजमेंट अमेरिका में रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड पाने की सबसे आम श्रेणी का शुरुआती चरण है। इस प्रक्रिया में कंपनी को यह साबित करना होता है कि जिन पदों के लिए विदेशी कर्मचारी रखे जा रहे हैं, उनके लिए योग्य अमेरिकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं।

इसे लेबर सर्टिफिकेशन भी कहा जाता है। हालांकि, कंपनी की ओर से ग्रीन कार्ड स्पॉन्सरशिप बंद होने के बाद उन मौजूदा एच-1बी कर्मचारियों का क्या होगा, जो अब इसके लिए योग्य नहीं रहेंगे, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

2026 में आईबीएम ने 1,100 से ज्यादा एच-1बी वीजा के लिए आवेदन कियाः-अमेरिकी श्रम विभाग वेड आंकड़ों वेड मुताबिक, आईबीएम ने 2026 के वित्त वर्ष में 1,100 से ज्यादा एच-1बी वीजा के लिए आवेदन किया। यह वित्त वर्ष 30 सितंबर को खत्म हुआ। हालांकि, इनमें से कितने कर्मचारियों ने बाद में स्थायी निवास यानी ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन किया, इसकी जानकारी तत्काल उपलब्ध नहीं थी।

दूसरी बड़ी टेक कंपनियों की तुलना में आईबीएम के वीजा आवेदन काफी कम हैं। वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही तक अमेजन ने 13,715 से ज्यादा एच-1बी वीजा के लिए आवेदन किया था।

यह संख्या आईबीएम के मुकाबले करीब 11 गुना है। एप्पल, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट ने भी आईबीएम की तुलना में करीब चार गुना ज्यादा वीजा के लिए आवेदन किए थे। आईबीएम का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब ट्रम्प प्रशासन एच-1बी वीजा और रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड प्रक्रिया की जांच सख्त कर रहा है। कर्मचारियों को लंबे समय तक अमेरिका में रखने वेड लिए कंपनियां आमतौर पर पी.ई.आर.एम लेबर सर्टिफिकेशन के जरिए ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया शुरू करती हैं। इस प्रोग्राम की आलोचना भी होती रही है।

आरोप लगाए जाते हैं कि कंपनियां अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी वेड बीच विदेशी कर्मचारियों को कम वेतन पर रखने को प्राथमिकता देती हैं। अमेरिका 18 हजार भारतीयों को डिपोर्ट कर सकता हैः-अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प मिडटर्म चुनाव में हार से बौखलाए हुए हैं।

लगभग 65फीसदी भारतवंशी वोटरों ने डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों के पक्ष में वोट दिए। अब ट्रम्प सरकार एच-1बी वीजा में सख्ती और 18 हजार अवैध भारतीयों के डिपोर्टेशन में तेजी ला सकती है।

अमेरिका ने 2025 में 3567 भारतीयों को डिपोर्ट किया था, जो 15 साल में सबसे अधिक था। इस साल जून तक 1076 डिपोर्ट किए जा चुके हैं। भारत से इस साल एच-1बी वीजा के 1.06 लाख रजिस्ट्रेशन हुए। पिछले साल 1.72 लाख रजिस्ट्रेशन हुए थे।

चीनी व्लॉगर्स ने ढाका की झुग्गी-बस्ती को दिल्ली का बताया,भारत ने जताई नाराजगी

नयी दिल्ली। बांग्लादेश में कुछ चीनी व्लॉगर्स ढाका की झुग्गी-बस्तियों में जाकर वीडियो बना रहे थे। आरोप है कि वे इन



इलाकों को भारत की राजधानी दिल्ली बताकर चीनी सोशल मीडिया पर लाइव दिखाते थे। भारत ने मंगलवार को इस पर नाराजगी जताई और कहा कि कुछ लोग विदेशी नागरिकों को पैसे देकर ढाका को दिल्ली बताने की कोशिश कर रहे हैं। इस तरह झूठी बातें फैलाने से कोई उन पर विश्वास नहीं करेगा। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा किः- 'हमने इस बारे में मीडिया रिपोर्ट्स देखी हैं। किसी भी देश की गलत तस्वीर पेश करने की ऐसी कोशिशें दुर्भाग्यपूर्ण हैं। मैं बांग्लादेश के अधिकारियों से ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की अपील करूंगा।' मामला बांग्लादेश के अखबार प्रथम आलो की एक जांच रिपोर्ट के बाद सामने आया था। अखबार के मुताबिक ढाका में 150 से ज्यादा चीनी नागरिक गरीब बस्तियों के वीडियो बना रहे थे। वे इन वीडियो को चीन के सोशल मीडिया वीचैट जैसे प्लेटफॉर्म वीचैट और डोयिन पर लाइव दिखा रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक ये लोग ढाका के उत्तरा इलाके के सेक्टर-12 और टेकपाड़ा में वीडियो बना रहे थे। यहां कम आमदनी वाले परिवार रहते हैं। इलाके में संकरी गलियां और टिन की छत वाले छोटे-छोटे घर हैं। 1 नवंबर को मियांमियां नाम की एक चीनी महिला ने उत्तरा सेक्टर-12 से लाइव वीडियो बनाया। उसने इस जगह को नई दिल्ली बताया। वीडियो में वह वहां के घरों को गंदा और इलाके को पिछड़ा बता रही थी। उसने यह भी कहा कि टिन की छत वाले घरों में पंखे तक नहीं हैं। इसी तरह वांग वेई नाम के एक चीनी नागरिक ने टेकपाड़ा में चाय की दुकानों का वीडियो बनाया। उसने वहां मिलने वाली चाय को 'गाय के पेशाब वाली चाय' बताया। प्रथम आलो ने इन वीडियो में कही गई बातों का चीनी भाषा से अनुवाद किया। रिपोर्ट के मुताबिक इलाके के लोगों ने शिकायत की कि कुछ चीनी नागरिक बिना इजाजत उनके घरों में घुस जाते थे। वे घरों, रसोई और दूसरी निजी जगहों के वीडियो बनाने लगते थे। कुछ लोगों ने बाथरूम तक में कैमरा ले जाने की शिकायत की। लोगों का कहना है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो ये लोग माफी मांगकर चले गए।

लेकिन कुछ समय बाद फिर वीडियो बनाने पहुंच जाते थे। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि कुछ स्थानीय लोगों को वीडियो बनाने में मदद करने के लिए रोजाना 700 से 800 बांग्लादेशी टका दिए जाते थे। हालांकि, यह साफ नहीं है कि उन्हें पैसे कौन दे रहा था और वीडियो बनाने के पीछे किसका हाथ था।

उत्तरा वेस्ट पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने माना कि उन्होंने इलाके में विदेशी नागरिकों को वीडियो बनाते देखा था। पुलिस अधिकारी मोहम्मद खालिद मंसूर ने कहा कि उन्हें इन वीडियो के पीछे का मकसद पता नहीं है। उन्होंने इस बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी थी।

बुल्गारिया में कोहरे के चलते 86 गाड़ियां टकराईं, 12 मौतें/46 घायल,राष्ट्रपति पेरिस में कार्यक्रम छोड़कर देश लौटीं, हादसे के बाद हाईवे किया बंद

सोफिया। बुल्गारिया में मंगलवार को घने कोहरे के कारण बड़ा सड़क हादसा हो गया। राजधानी सोफिया को काला सागर के बंदरगाह शहर बर्गास से जोड़ने वाले हाईवे पर 86 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 46 घायल हुए हैं। हाईवे को दोनों तरफ से बंद कर दिया गया।हादसे के कारण बुल्गारिया की राष्ट्रपति इलियाना योतोवा ने भी अपना विदेश दौरा बीच में छोड़ दिया। वह पेरिस पीस फोरम में शामिल होने के लिए पेरिस गई थीं, लेकिन हादसे की खबर मिलने के बाद उन्होंने कार्यक्रम छोड़कर बुल्गारिया लौटने का फैसला किया। पहले हादसे के बाद दूसरी लेन में भी टकराईं गाड़ियांः- अधिकारियों के मुताबिक पहला हादसा हाईवे की पूर्व दिशा में जाने वाली लेन पर हुआ। घना कोहरा होने के कारण ड्राइवरों को आगे चल रही गाड़ियां दिखाई नहीं दीं और कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं। पहले हादसे के कुछ देर बाद हाईवे की दूसरी लेन पर भी गाड़ियां टकरा गईं। यह लेन राजधानी सोफिया की तरफ जाती है। इसके अलावा, दूसरी तरफ हुए हादसे को देखने के चक्कर में कुछ ड्राइवरों का ध्यान सड़क से हट गया और वे भी हादसे का शिकार हो गए।अधिकारियों का कहना है कि गाड़ियों की तेज रफ्तार ने भी हादसे का खतरा बढ़ा दिया था। फिलहाल हाईवे बंद कर दिया गया। क्षतिग्रस्त गाड़ियां और मलबा हटाने के बाद ही इसे दोबारा खोला जाएगा। फंसे लोगों को निकालने के लिए बैरियर काटने पड़ेः-याम्बोल क्षेत्र के गवर्नर जॉर्जी चालाकोव ने बताया कि हादसे के बाद कई लोग गाड़ियों में फंस गए थे। उन्हें बाहर निकालने के लिए बचाव टीमों को सड़क के किनारे लगे बैरियर के कुछ हिस्से काटने पड़े।

घना कोहरा होने के कारण घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए हेलिकॉप्टर भी नहीं बुलाए जा सके। हादसे के दौरान एक गाड़ी में आग लग गई थी। वहां मौजूद एक व्यक्ति ने अपनी जान की परवाह किए बिना गाड़ी में फंसे एक शख्स को बाहर निकाला।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भी मंगलवार को बुल्गारिया के दौरे पर थीं। हादसे के बाद प्रधानमंत्री रुमेन रादेव उनसे मुलाकात छोड़कर घटनास्थल के लिए रवाना हो गए।

असम में ट्रेन पटरी से उतरी,50 पैसेंजर घायल,लोको पायलट बोले- सिग्नल रेड हैं, ब्रेक नहीं लग रहे

गुवाहाटी। असम के कामरूप में बुधवार सुबह करीब 6:54 बजे कोलकाता-सैरंग एक्सप्रेस का इंजन और 5 डिब्बे पटरी से उतर गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसे में 50 पैसेंजर घायल हुए हैं। हालांकि रेलवे का कहना है कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के मुताबिक, डिगारू स्टेशन पर ट्रेन को दूसरी लाइन पर लेने के दौरान लोको पायलट स्पीड कम नहीं कर सका, इससे ट्रेन डेड एंड पर लगे बैरिकेड्स से टकरा गई। 45 सेकेंड के वीडियो में इंजन के लोको



पायलट केबिन का अंदरूनी हिस्सा दिखाई दे रहा है। इसमें कंट्रोल पैनल, डिजिटल डिस्प्ले, स्विच और इंजन के उपकरण लगे हुए हैं। इसमें लोको पायलट कह रहे हैं- 'कुछ भी काम नहीं कर रहा। सिग्नल रेड हैं। इमरजेंसी लगा हुआ है, काम नहीं कर रहा है। एस-9 ए-9 कुछ भी काम नहीं कर रहा है।' एस-9 ए-9 ब्रेक सिस्टम के नाम हैं। हादसे के बाद रेलवे अधिकारी, कर्मचारी और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे। यात्रियों को बाहर निकाला गया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। यात्रियों के लिए दूसरी ट्रेन की व्यवस्था कर दी गई है।

हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 25,000-25,000/- रूपये के ईनामिया 02 वांछित अभियुक्त थाना हण्डिया व सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त पुलिस टीम गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मंगलवार को श्रीमान् पुलिस आयुक्त महोदय व अपर



पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमान् पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना हण्डिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-219/2022 धारा-302/201 भा0द0सं0 से सम्बन्धित 25,000-25,000/- रूपये के ईनामिया 02 वांछित अभियुक्त 1. अंकित गिरी उर्फ सन्नी गिरी 2. सुशील गिरी उर्फ बल्ले गिरी पुत्रगण स्व0 प्रदोष गिरी निवासी ग्राम धौरहरा थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया व सर्विलांस सेल गंगानगर की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा दिनांक-09.11.2026 को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत नटवा पार तिराहे के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर मुकदमा वादी देवी प्रसाद पुत्र स्व0 छबीनाथ गिरी निवासी ग्राम धौरहरा थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज के भाई रामप्रसाद गिरी उर्फ पछाडी की हत्या कर शव को फेक देने के सम्बन्ध में दी गयी तहरीर के आधार पर थाना हण्डिया पर मु0अ0सं0-219/2022 उपरोक्त पंजीकृत किया गया था। पूछताछ का विवरण- गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ करने पर यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्तगण मृतक रामप्रसाद गिरी के पड़ोसी थे । मृतक रामप्रसाद द्वारा अपनी जमीन उन्हें न बेचकर दूसरे को बेचने की रंजिश के कारण, उपरोक्त अभियुक्तों द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर दिनांक 22.04.2022 को चाकू से मृतक के सीने पर वार कर हत्या कर दी गई और शव को खेत में फेंककर मुंबई फरार हो गए थे। उपरोक्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु श्रीमान् पुलिस उपायुक्त गंगानगर महोदय द्वारा 25,000-25,000/- रूपये का ईमान घोषित किया गया था । मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 02 अभियुक्तों को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1. अंकित गिरी उर्फ सन्नी गिरी पुत्र स्व0 प्रदोष गिरी निवासी ग्राम धौरहरा थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 28 वर्ष। 2. सुशील गिरी उर्फ बल्ले गिरी पुत्र स्व0 प्रदोष गिरी निवासी ग्राम धौरहरा थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 33 वर्ष। सम्बन्धित अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0-219/2022 धारा-302/201 भा0द0सं0 थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज। अंकित गिरी उर्फ सन्नी गिरी पुत्र स्व0 प्रदोष गिरी निवासी ग्राम धौरहरा थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 28 वर्ष। 2. सुशील गिरी उर्फ बल्ले गिरी पुत्र स्व0 प्रदोष गिरी निवासी ग्राम धौरहरा थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 33 वर्ष। सम्बन्धित अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0-219/2022 धारा-302/201 भा0द0सं0 थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 2. मु0अ0सं0-29/2025 धारा-174ए भा0द0सं0 थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज। अभियुक्त सुशील गिरी उर्फ बल्ले गिरी उपरोक्त का आपराधिक इतिहास-1. मु0अ0सं0-219/2022 धारा-302/201 भा0द0सं0 थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 2. मु0अ0सं0-29/2025 धारा-174ए भा0द0सं0 थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-1. प्र0नि0 ओमप्रकाश, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 2. उ0नि0 सुखचैन तिवारी, प्रभारी सर्विलांस सेल गंगानगर कमिश्नरेट प्रयागराज। 3. उ0नि0 रामानुज सिंह, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 4. उ0नि0 ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 5. हे0का0 अंगद गिरी, सर्विलांस सेल गंगानगर कमिश्नरेट प्रयागराज। 6. का0 कुंदन सिंह, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 7. का0 इन्द्रजीत यादव, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 8. का0 संतोष कुमार यादव, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 9. रि0का0 राकेश कुमार गौड़, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज।

बहनों ने भाइयों के लिए भैया दूज मनाया,तिलक लगाकर सुख-समृद्धि और लंबी उम्र की कामना की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) भदोही। बहनों ने बुधवार को



भाइयों की सुख-समृद्धि और लंबी उम्र की कामना के साथ भैया दूज मनाया। उन्होंने पूजा कर भाइयों के सुखी जीवन की कामना की और उन्हें आशीर्वाद दिया। भाइयों ने भी बहनों का प्यार और आशीर्वाद पाया। नगर में कई जगह महिलाएं समूह में जुटीं और विधि-विधान से पूजा की। बहनों ने गोवर्धन से आशीर्वाद मांगा। भाइयों को दूध-चावल और खीर खिलाई गई। कई जगह भैया दूज से जुड़े गीत बजते रहे। देव स्थानों पर भी बहनों की भीड़ लगी रही। मिलिंद गुप्ता के आवास पर भी पूजा कर भाइयों की खुशी की कामना की गई। पौराणिक कथा के मुताबिक, भगवान सूर्य के पुत्र यमराज और पुत्री यमुना भाई-बहन थे। यमुना कई बार यमराज को घर आने का निमंत्रण देती थीं। एक दिन यमराज उनसे मिलने पहुंचे। यमुना ने भाई का स्वागत किया, तिलक लगाया और खाना खिलाया। उनके प्यार और सम्मान से खुश होकर यमराज ने यमुना से वरदान मांगने को कहा। यमुना ने कामना की कि इस दिन जो भाई अपनी बहन से तिलक करवाएगा, उसे सुख-समृद्धि मिलेगी। तभी से भैया दूज मनाने की परंपरा चली आ रही है। भैया दूज कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाई जाती है। इसे यम द्वितीया भी कहते हैं। भारत के कुछ हिस्सों में इस दिन यमराज और यमुना की पूजा भी की जाती है।

मेला प्राधिकरण ने गोल्फ कार्ट चलाना शुरू किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज में माघ मेले की तैयारियों के तहत मेला



प्राधिकरण ने गोल्फ कार्ट चलाना शुरू किया है। फिलहाल चुंगी से संगम तट तक श्रद्धालुओं को कार्ट से ले जाया जा रहा है। किराया प्रति व्यक्ति 10 रुपए है। यह सुविधा बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और पैदल चलने में असमर्थ श्रद्धालुओं के लिए शुरू की गई है। संगम क्षेत्र तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को लंबी दूरी पैदल तय करनी पड़ती है। फिलहाल रोजाना करीब 20 से 25 गोल्फ कार्ट चल रही हैं। मेले में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ और आवाजाही की जरूरत को देखते हुए इनकी संख्या 40 से 50 तक करने की योजना है। बताया गया है कि 4 जनवरी के बाद किराया प्रति व्यक्ति 10 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए कर दिया जाएगा। अधिक कार्ट चलने से संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की आवाजाही आसान होने की उम्मीद है।

डाला छठ पर सीताकुण्ड घाट की सुरक्षा और सफाई के पुख्ता इंतजाम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सुल्तानपुर। दशहरा दुर्गापूजा एवं



दीपावली का त्योहार सकुशल सम्पन्न होने के उपरान्त आगामी डाला छठ पर्व दिनांक 15 एवं 16 नवम्बर, 2026 को सकुशलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए सीताकुण्ड घाट पर नगर पालिका परिषद द्वारा तैयारी प्रारम्भ कर दी गयी है, जिसका निरीक्षण पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल द्वारा विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों व स्वर्णकार समाज के सम्भ्रान्त जनों के साथ दिनांक 11 नवम्बर किया गया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष ने गोमती नदी घाट पर आवश्यक तैयारियों को चुस्त दुरूस्त करने हेतु दिशा-निर्देश देते हुए आम जनमानस की सुरक्षा के दृष्टिगत घाट पर आवश्यकतानुसार बैरीकेटिंग, घाट पर स्थित गड्ढों की पटाई व बालू से भरी बोरियों द्वारा समतलीकरण, महिलाओं के स्नान के लिए वैकल्पिक सीढ़ी/रैम्प की व्यवस्था के साथ ही वस्त्र बदलने हेतु समुचित व्यवस्था, सीताकुण्ड घाट नदी तट व पहुंच मार्ग पर समुचित जनरेटर युक्त अबाध प्रकाश व्यवस्था, मोबाइल टायलेट की व्यवस्था एवं सम्पूर्ण घाट स्थल की वृहद् स्तर पर साफ-सफाई, फागिंग आदि समय से पूर्ण करते हुए श्रद्धालुओं हेतु समुचित पेयजल व्यवस्था किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष ने बताया कि इस पर्व पर स्वर्णकार समाज सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा प्रसाद स्वरूप भण्डारों का आयोजन किया जाता है, नगर पालिका परिषद सुलतानपुर द्वारा पूर्व की भांति इस वर्ष भी डाला छठ पर्व के त्योहार को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी। इस अवसर पर स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष राजकुमार सोनी, संरक्षक भरत जी सोनी, मुन्ना सोनी, विनोद सोनी व पालिका के प्रभारी सफाई लि0 प्रशान्त रावत, मार्ग प्रकाश प्रभारी अजय कुमार तिवारी, सफाई विभाग के दीपक कुमार रावत, साहिल सहित अन्य विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

सुल्तानपुर के सरस्वती विद्या मंदिर में पत्रकार वार्ता/क्षेत्रीय विज्ञान गणित मेला-2026

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सुल्तानपुर। सुल्तानपुर के



सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मे कल से तीन दिवसीय क्षेत्रीय ज्ञान विज्ञान एवं संस्कृति महोत्सव का शुभारंभ होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में चार प्रांतों के 49 जनपदों के करीब 1200 बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। जिसमें विज्ञान, गणित और संस्कृति के जरिए बच्चे अपनी कौशल दिखाएंगे। दरअसल बच्चों में पढ़ाई के साथ साथ उनके शारीरिक और मानसिक विकास को विद्या भारती हमेशा से प्रयासरत रही है। इसी को लेकर नगर के विवेकानंद नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मे कल से ज्ञान विज्ञान एवं संस्कृति महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें चार प्रांतों के 49 विद्यालयों के बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। विज्ञान और गणित विषय के साथ साथ अपनी पुरातन संस्कृति के जरिए बच्चे अपनी सोच को लोगों के समक्ष रखेंगे। 12 नवंबर से चलने वाले इस महोत्सव का 14 नवंबर की शाम को समापन होगा, जिसमें करीब 1200 बच्चे प्रतिभाग करेंगे।

इसी को लेकर आज विद्यालय प्रबंध तंत्र द्वारा एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के संगठन मंत्री हेमचंद्र सहित विद्यालय के प्रबंधक, ज्वाला देवी विद्यालय प्रयागराज के प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडेय, प्रबंधक डॉ पवन सिंह और मीडिया प्रभारी देवेंद्र कुमार पाठक ने आयोजन को लेकर तमाम जानकारियां दी।

मिर्जापुर में हैवानियत-फिरौती के लिए 12 साल के प्रिंस का अपहरण, फिर गला घोंटकर जंगल में फेंका,मुठभेड़ में दरिंदा गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मिर्जापुर। यूपी के मिर्जापुर में दिल दहला देने वाली वारदात, 12 साल के बालक का अपहरण कर हत्या। पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर खानापूर्ति की, लेकिन 24 घंटे तक बच्चा नहीं ढूंढ पाई। इसी बीच अपहरणकर्ता ने बच्चे का गला घोंटकर हत्या कर दी। आज शव छिपाने जा रहा था तब मुठभेड़ में पकड़ा गया। परिजनों का आरोप - अगर पुलिस समय पर सक्रिय होती तो बच्चा बच सकता था। विंध्याचल कोतवाली क्षेत्र के सेमरी गांव की घटनाः पिता की तहरीर पर पुलिस ने सिर्फ अपहरण का केस दर्ज किया, 24 घंटे बाद मिली बच्चे की लाश; एसपी ने तीन टीमें बनाईं तब



जाकर खुला राजः-दरअसल विंध्याचल थाना क्षेत्र में पुलिस की सुस्ती एक 12 साल के मासूम की जान पर भारी पड़ गई। फिरौती के लालच में गांव के ही हिस्ट्रीशीटर ने बालक का अपहरण कर लिया और उसी शाम गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस अगले दिन तक सिर्फ अपहरण की धारा में मुकदमा लिखकर बैठी रही, जबकि हत्यारा जंगल में शव ठिकाने लगाने की फिराक में था। मृतक की पहचान प्रिंस बिंद (12 वर्ष) पुत्र केशव बिंद निवासी सेमरी, विंध्याचल के रूप में हुई है। बाइक चलाने के बहाने ले गया था दरिंदाः- पुलिस के मुताबिक आरोपी पिंटू उर्फ शैलेंद्र पुत्र मताम्बर निवासी परसिया कामापुर ने 9 नवंबर को शाम 4 बजे बच्चे को बाइक चलाने का लालच देकर अपने साथ ले गया। फिर पैसे के लिए अपहरण कर लिया और उसी दिन शाम 6:30 बजे कुशियारा जंगल में गला दबाकर मार डाला और शव वहीं छिपा दिया। पिता केशव बिंद ने 10 नवंबर को विंध्याचल थाने में अपहरण की सूचना दी, जिस पर पुलिस ने मु.अ.सं. 313/2026 धारा 137(2) बीएनएस में केस दर्ज कर लिया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने तुरंत तलाश शुरू नहीं की। शव छिपाने जा रहा था, मुठभेड़ में धराया:- एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने घटना को गंभीरता से लेते हुए 3 टीमें बनाईं। आज सुबह पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी लालगंज की तरफ से आ रहा है। विंध्याचल पुलिस ने गैपुरा-विजयपुर से लालगंज रोड पर घेराबंदी की। पुलिस को देख आरोपी बाइक छोड़ कुशियारा जंगल में भागा और पुलिस पर तमंचे से फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में उसके दोनों पैरों में गोली लगी और वह गिरफ्तार हो गया। उसके पास से .315 बोर का तमंचा, 2 खोखा, 1 जिंदा कारतूस और स्प्लेंडर बाइक बरामद हुई। पूछताछ में उसने हत्या की बात कबूल की। उसकी निशानदेही पर लालगंज क्षेत्र के कुशियारा जंगल से बच्चे का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। 17 मुकदमों का हिस्ट्रीशीटर निकला हत्यारा:- पकड़ा गया पिंटू कोई नया अपराधी नहीं है। उस पर हत्या, लूट, गैंगस्टर, एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट सहित 17 मुकदमे दर्ज हैं। वह पहले भी हत्या और अपहरण के मामलों में जेल जा चुका है। बड़ा सवालः क्या बच सकता था प्रिंस? स्थानीय लोगों में आक्रोश है। कहना है कि अगर पुलिस ने 9 तारीख की शाम को ही सक्रियता दिखाई होती तो शायद प्रिंस जिंदा होता। पुलिस ने अपहरण के बाद 24 घंटे गंवा दिए।, फिलहाल घायल आरोपी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है और लालगंज थाने में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दिवाली पर बंगाली लुक में नजर आईं अभिनेत्री पूजा पांडे, पारंपरिक अंदाज ने बिखेरा आकर्षण

पारंपरिक परिधान और खूबसूरत अंदाज में अभिनेत्री ने मनाया दीपावली का उत्सव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। अभिनेत्री पूजा पांडे किया।दीपावली के अवसर पर उनका यह पारंपरिक अवतार



इस दिवाली बेहद खूबसूरत बंगाली लुक में नजर आईं। पारंपरिक बंगाली परिधान और आकर्षक श्रृंगार में उनका अंदाज देखते ही बना। भारतीय संस्कृति और परंपरा की झलक पेश करते हुए पूजा पांडे ने अपने खास लुक से सभी का ध्यान आकर्षित आधुनिकता के साथ भारतीय संस्कृति का खूबसूरत संगम नजर आया। बंगाली अंदाज में सजीं पूजा पांडे की तस्वीरें उनके प्रशंसकों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। उनके इस खूबसूरत लुक की खूब सराहना हो रही है।

उत्तर प्रदेश अंडर-23 महिला क्रिकेट टीम में एमपीएस क्रिकेट अकादमी मुरादाबाद की पलक सिंह का चयन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मुरादाबाद। एमपीएस क्रिकेट



अकादमी मुरादाबाद में अभ्यास कर रही मेरठ निवासी क्रिकेटर पलक सिंह का उत्तर प्रदेश अंडर-23 महिला क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। पलक सिंह का यह चयन उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की ओर से आयोजित चयन ट्रायल में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। पलक ने अपनी लेग ब्रेक गेंदबाजी से चयन कर्ताओं को प्रभावित करने में सफल रहीं। एमपीएस क्रिकेट अकादमी मुरादाबाद के कोच मिर्जा दानिश आलम ने बताया कि पलक सिंह काफी वर्षों से एमपीएस क्रिकेट अकादमी में अभ्यास कर रही हैं। पलक इससे पहले यूपी अंडर-19, यूपी अंडर-23 और सीनियर महिला क्रिकेट की चयन प्रक्रियाओं में अपनी प्रतिभा दिखा चुकी हैं। लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर उन्होंने एक बार फिर टीम में जगह बनाई है। दानिश आलम ने आगे कहा कि पलक सिंह बहुत मेहनती खिलाड़ी हैं और क्रिकेट की एक-एक चीज को बहुत ही बारीकी से समझ कर पिच पर उतारने का प्रयास करती हैं। वहीं पलक सिंह का कहना है कि उत्तर प्रदेश अंडर-23 महिला क्रिकेट टीम में उनका चयन होना उनके लिए एक बड़ा अवसर है। पलक सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय अपने मित्रता के साथ अपने क्रिकेट कोच मिर्जा दानिश आलम को दिया है।

बृजेश सिंह ने रघुकुल में परिवार के साथ मनाया दीपावली

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। वाराणसी के पूर्व बड़े ही धूमधाम से दीपावली मनाया।



एमएलसी बृजेश सिंह ने धर्मपत्नी एमएलसी अन्नपूर्णा सिंह व अपने दोनों पुत्रों सिद्धार्थ सिंह और सागर सिंह के साथ सिगरा स्थित अपने निवास रघुकुल निवास पर इस मौके पर उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को दीपावली की बधाई देते हुए सभी के कल्याण की बाबा विश्वनाथ, मां लक्ष्मी से प्रार्थना की।

न्यूरोसाइंस उपचार के क्षेत्र में नई उन्नति, प्रगति और विकास पर होगा मंथन, यूपी-यूके न्यूरोकॉन 13 नवंबर से

तीन दिवसीय सम्मेलन में देश और विदेश के 200 से अधिक विशेषज्ञ लेंगे हिस्सा; 14 नवंबर को होगा उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों, उपचार और शोध पर चर्चा के लिए यूपी-यूके न्यूरोकॉन



2026 का आयोजन 13 से 15 नवंबर तक प्रयागराज में होगा। सम्मेलन का विषय 'ब्रिजिंग द फ्यूचरः प्रिसिजन एंड प्रोग्रेस इन न्यूरोसाइंसेज' है। मुख्य कार्यक्रम स्टेनली रोड, मेयो हॉल क्रॉसिंग के निकट स्थित एएमए कन्वेंशन सेंटर में होगा। इसका आयोजन प्रयागराज न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी तथा मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के न्यूरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी विभाग की ओर से किया जा रहा है। डॉ. मुकुल पांडेय आयोजन अध्यक्ष और न्यूरोसर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार गुप्ता आयोजन सचिव हैं। डॉ. पंकज गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन से पहले 13 नवंबर को सुबह मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज परिसर के पुराने परीक्षा भवन में प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशालाएं होंगी। इनमें एंडोस्कोपी विधाओं से आधुनिकतम स्पाइनल सर्जरी जैसे यूनिपोर्टल और बाई पोर्टल सर्जरी, दर्द प्रबंधन के लिए इंजेक्शन तकनीक (ब्लॉक), एंडोवैस्कुलर तकनीक से ब्रेन की धमनियों में गुब्बारे जैसे उभार (एन्यूरिज्म) का उपचार, ईईजी, ट्रांसक्रैनियल डॉप्लर और मूवमेंट डिसऑर्डर में बोटुलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी दिन शाम पांच से सात बजे तक रेडिसन होटल में वीडियो प्रेजेंटेशन सत्र होगा। इसमें डॉ. बी.के. मिश्रा (मुंबई), कॉम्प्लेक्स माइक्रोन्यूरोसर्जरी, डॉ. अतुल गोयल (मुंबई), ब्रेन ट्यूमर से जुड़ी अवधारणा, डॉ. जितिन बजाज(जबलपुर), जटिल एटलांटो-एक्सियल डिस्लोकेशन में आधुनिक रॉकर तकनीक, डॉ. दीपक कुमार सिंह (आरएमएल लखनऊ), कैरोटिको-कैवर्नस फिस्टुला और डॉ. भवन नगरवाल, एंडोस्कोपिक एन्यूरिज्म क्लिपिंग पर प्रस्तुति देंगे। डॉ. वेद प्रकाश मौर्य (एसजीपीजीआई लखनऊ) माइक्रोवैस्कुलर एनास्टोमोसिस, डॉ. परितोष पांडेय (बैंगलोर) ड्यूरल एवी फिस्टुला के एम्बोलाइजेशन और डॉ. सुयश सिंह (एम्स रायबरेली) वेस्टिबुलर श्वानोमा (ट्यूमर)के सर्जिकल उपचार और डॉ आर सी मिश्रा (नोएडा) रीढ़ की नस के जटिल ट्यूमर को निकालने की तकनीक पर अपने अनुभव साझा करेंगे।सम्मेलन का उद्घाटन समारोह 14 नवंबर को दोपहर एक से दो बजे तक एएमए कन्वेंशन सेंटर के मुख्य हॉल में आयोजित होगा। सम्मेलन समारोह के मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति (इलाहाबाद हाई कोर्ट) श्री अरिंदम सिन्हा और विशिष्ट अतिथि डॉ मज़हर हुसैन (लखनऊ) होंगे। 14 और 15 नवंबर को वैज्ञानिक सत्रों में ब्रेन एवं स्पाइन सर्जरी, एन्यूरिज्म, एवीएम, मिर्गी, स्ट्रोक, पार्किंसन रोग, माइग्रेन, न्यूरोइन्फेक्शन और न्यूरोक्रिटिकल केयर पर व्याख्यान होंगे। कम चीरे वाली सर्जरी, एंडोस्कोपिक तकनीकों, न्यूरोसर्जरी में रोबोट की भूमिका, मिर्गी रोग का आधुनिकतम उपचार, विभिन्न मूवमेंट डिसऑर्डर्स और ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी के उपचार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर भी चर्चा होगी। न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी के क्षेत्र में हो रहे शोधपत्र और ई-पोस्टर प्रस्तुतियां भी कार्यक्रम का हिस्सा होंगी। सम्मेलन के प्रमुख कार्यक्रमों में डॉ. बी.के. मिश्रा (मुंबई) का स्कल बेस (खोपड़ी के आधार पर होने वाले ट्यूमर) सर्जरी में निर्णय प्रक्रिया पर 'दवे-छाबड़ा ओरेशन', डॉ. अचल श्रीवास्तव (एम्स दिल्ली) का मूवमेंटडिसऑर्डर पर 'कपिल सूद ओरेशन' और डॉ. जयन्ती कालिता (एसजीपीजीआई लखनऊ) का न्यूरोक्रिटिकल केयर के भारत में विकास पर 'यूके मिश्रा ओरेशन' शामिल हैं। 'प्रेसिडेंशियल ओरेशन' में डॉ. अवधेश जायसवाल (एसजीपीजीआई लखनऊ) पिट्यूटरी ट्यूमर की (एंडोनैसल एंडोस्कोपिक) नाक के रास्ते दूरबीन विधि द्वारा सर्जरी पर व्याख्यान देंगे। वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. अतुल गोयल (मुंबई) स्पाइन सर्जरी पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। आयोजन अध्यक्ष डॉ. मुकुल पांडेय ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी के विशेषज्ञों तथा युवा चिकित्सकों के बीच ज्ञान और अनुभव का आदान-प्रदान करना है। आयोजन सचिव डॉ पंकज गुप्ता ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड के सभी न्यूरोलॉजिस्ट और न्यूरोसर्जन को प्रयागराज की धरती पर इस विशेष आयोजन के लिए आमंत्रित किया है और देश तथा विदेश से आने वाले विशेषज्ञ डाक्टरों का स्वागत एवं आभार प्रकट किया है। कार्यशालाओं, वीडियो प्रस्तुतियों और वैज्ञानिक सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को नई तकनीकों और उपचार के बदलते तरीकों को समझने का अवसर मिलेगा। प्रेस वार्ता के अवसर पर न्यूरोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ कमलेश सोनकर,डॉ एन एन गोपाल, डॉ ओ पी सिंह, डॉ यतीन्द्र शुक्ला, डॉ कार्तिकेय शर्मा, डॉ अक्षत पांडेय, डॉ अंचल चौहान और डॉ राजेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे।

माघ मेले की तैयारियां शुरू

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में अगले वर्ष आयोजित होने वाले माघ मेले की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस बार मेला



क्षेत्र में आठ पीपे के पुल का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए शासन ने 18.64 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की स्वीकृति पर 3.72 करोड़ रुपये की पहली किस्त भी जारी कर दी गई है। मेला क्षेत्र में महावीर, अक्षयवट, ओल्ड जीटी, गंगोली-शिवाला, मोरी, काली, त्रिवेणी व जगदीश रैंप पीपे का पुल बनाया जाएगा। इसमें पहली बार अरैल क्षेत्र से मेले में प्रवेश करने के लिए पुल का निर्माण कराने का निर्णय लिया गया है। आठ पुलों के साथ एप्रोच रोड भी बनाई जाएगी। प्रत्येक पुल के निर्माण पर दो करोड़ 33 लाख 12 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। जहां पिछले वर्ष चार पुलों को भगवा रंग से रंगा गया था, वहीं इस बार सभी पुलों पर भगवा रंग चढ़ाने की तैयारी की जा रही है।

भाई-दूजः बचपन की उन किलकारियों, माथे के उस स्नेहिल तिलक और जीवनभर के अटूट विश्वास का पावन पर्व

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य नोएडा। लड्डू-पेड़ों की मिठास, माथे पर चावल और रोली का चमचमाता हुआ तिलक, और बहन की आँखों में भाई की लंबी उम्र के लिए छिपी अगाध प्रार्थना– भाई-दूज का यह पावन पर्व केवल दो दिलों का मिलन नहीं, बल्कि इस धरती पर भाई-बहन के बीच के सबसे पवित्र, निस्वार्थ और अनूठे रिश्ते का उत्सव है। इस भावुक और हृदयस्पर्शी अवसर पर आरडब्ल्यूए सेक्टर 105, नोएडा के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने समस्त सेक्टर वासियों को भाई-दूज की अनंत और अंतःकरण से शुभकामनाएं दी हैं। इस पावन पर्व पर अपने दिल की गहराइयों से संदेश साझा करते हुए



कृष्णात्रेय ने कहाः-'बचपन की वो लड़ाइयाँ, माँ की डाँट से एक-दूसरे को बचाना, और हर मुश्किल वक्त में बिना कहे ढाल बनकर खड़े हो जाना–यही तो भाई-बहन का असली रिश्ता है। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, भागदौड़ भरी जिंदगी भले ही हमें दूर कर दे, लेकिन भाई-दूज का यह एक दिन उन सारे फासलों को मिटाकर हमें फिर से हमारे बचपन और हमारी जड़ों से जोड़ देता है। जब एक बहन अपने भाई को तिलक लगाती है, तो वह उसकी सफलता की दुआ ही नहीं माँगती, बल्कि अपने मन का हर अनकहा आशीर्वाद उस पर न्योछावर कर देती है।' उन्होंने आगे बहुत ही मार्मिक बात जोड़ते हुए कहाः-'यह पर्व हमें यह भी याद दिलाता है कि सुरक्षा और सम्मान सिर्फ अपनी बहन तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमारे समाज की हर बेटी और बहन हमारी अपनी है। आइए, इस भाई-दूज पर हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने सेक्टर और समाज को ऐसा सुरक्षित और आत्मीय माहौल देंगे, जहाँ हर बहन खुद को पूरी तरह सुरक्षित और गौरवान्वित महसूस कर सके। अपनों का साथ, रिश्तों की गर्माहट और एक-दूसरे के प्रति प्रेम ही हमारे जीवन की सबसे बड़ी और सच्ची पूँजी है।' आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 परिवार इस सुंदर और पवित्र पर्व पर ईश्वर से प्रार्थना करता है कि हर घर में स्नेह की दीपमाला हमेशा जगमगाती रहे और भाई-बहन का यह अटूट रिश्ता उम्र के हर पड़ाव पर और अधिक मजबूत हो।

भय, भूख, भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त कर रोटी कपड़ा मकान के साथ वोटरशिप देने के लिए माप प्रतिबद्ध-जे पी शास्त्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) फैजाबाद। गत दिवस मौलिक अधिकार पार्टी की प्रेस क्लब



फैजाबाद में बैठक संपन्न हुई।बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. शास्त्री ने की व संचालन जिला अध्यक्ष जंग बहादुर कोरी ने किया। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. शास्त्री ने बताया कि मौलिक अधिकार पार्टी संविधान के धरातल पर कार्य कर रही है।उन्होंने बताया कि हम इस देश से भय, भूख, भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के लिए कार्य कर रहे हैं रोटी, कपड़ा, मकान के साथ हर व्यक्ति को अधिकार और सम्मान मुहैया करने के लिए प्रतिबद्ध है। संविधान की प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय देने के लिए मौलिक अधिकार पार्टी कृत संकल्पित है। इसी के साथ संविधान में निहित मौलिक अधिकार और राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को लागू कराना हमारा प्रथम लक्ष्य है।क्योंकि इस देश की मालिक जनता है, मतदाता ही सरकार है, एमपी, एमएलए जनता के प्रतिनिधि हैं, अधिकारी कर्मचारी जनता के नौकर हैं।इसलिए अनुच्छेद 39 क और ख के तहत इस देश की राष्ट्रीय आमदनी और प्राकृतिक संपदाओं में देश की मालिक जनता का बराबर का हिस्सा है। मौलिक अधिकार पार्टी इसी बात को लेकर आगे बढ़ रही है। और निसंदेह वोटरशिप लागू होगी।यह सब एक सशक्त मजबूत संगठन के द्वारा ही संभव है। इसके लिए जल्द से जल्द जिले की कमेटी पूरी कर ली जाएं, आगामी नए वर्ष को लक्ष्य मानते हुए सभी तहसीलों और सभी ब्लॉकों में इकाइयाँ गठित हो जानी चाहिए। मौलिक अधिकार पार्टी के जिला अध्यक्ष ने सबका आभार व्यक्त करते हुए बताया कि आगामी 2027 में मौलिक अधिकार पार्टी अयोध्या विधानसभा की पाँचों सीटों रुदौली, मिल्कीपुर, बीकापुर, अयोध्या और गोसाईगंज की पाँचों सीटों पर चुनाव मजबूती के साथ लड़ेगी।सभी ने एक मजबूत इरादे के साथ संगठन को हर हफ्ते एक दिन का समय देने का वादा करते हुए संगठन को मजबूत करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया।इसी के साथ राष्ट्रीय महासचिव रमेश कुमार रावत जी ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों का हार्दिक अभिनंदन वंदन करते हुए सबका आभार व्यक्त किया और सबको चाय समोसा खिलाकर बैठक का समापन किया। बैठक में अरविन्द जायसवाल, संतोष नन्द, मंजूषा नन्दा, शीला राजवंशी, विमला भारती,उ प्र अनुशासन समिति के प्रदेश महासचिव जगन्नाथ विश्वकर्मा, पूर्व लोकसभा सभा प्रत्याशी कंचन यादव, पूर्व अयोध्या विधानसभा प्रत्याशी संजय शर्मा, देवी प्रसाद नन्द जिला प्रवक्ता, देश राज कोरी पूर्व मिल्कीपुर विधानसभा प्रत्याशी,पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी रमेश यादव, मवई ब्लाक अध्यक्ष रामराज गौतम, रवि राजवंशी, सुशीला गौड़ महिला जिला अध्यक्ष, वैष्णवी गौड़, बीना यादव सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

आचार्य द्विवेदी पुस्तक मेला शुरू, तैयारियां पूरीं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिले के पुस्तक प्रेमियों के लिए खुशखबरी है। युग प्रवर्तक साहित्यकार आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की स्मृति



में सात दिवसीय पुस्तक मेला फ़ीरोज़ गांधी कॉलेज परिसर में 12 नवंबर से शुरू और समापन युवा कवि सम्मेलन के साथ 18 नवंबर को होगा। साहित्य समाज और संस्कृतियों को समर्पित इस पुस्तक मेले में नेशनल बुक ट्रस्ट, राजकमल समेत अनेक प्रकाशनों के स्टॉल लगेंगे। मेले के दौरान किताबों के संग साहित्य और लोक संस्कृतियों पर आधारित कार्यक्रम भी होंगे। कई राज्यों की लोककलाओं और संस्कृतियों का संगम होगा। कॉलेज परिसर ग्राउंड में पुस्तक मेला स्थल की तैयारी पूरी हो चुकी हैं। पूरा ग्राउंड सज चुका है। भव्य स्टेज भी तैयार है। न्यास के संयोजक गौरव अवस्थी ने बताया कि पुस्तक प्रेमियों को अपने ही शहर में किताबें उपलब्ध कराने के लिए ही पुस्तक मेले का आयोजन शुरू किया गया है। 3 वर्ष पहले शुरू हुआ पुस्तक मेला धीरे-धीरे विस्तार लेता जा रहा है। आचार्य द्विवेदी समिति के अध्यक्ष विनोद शुक्ला ने बताया कि पुस्तक मेले के दौरान हिमाचल मध्य प्रदेश और असम की लोक संस्कृतियों लोक कला और लोकगीतों पर केंद्रित कार्यक्रम भी होंगे इसके अलावा बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताएं बुजुर्गों महिलाओं की खेलकूद एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है। इन प्रकाशनों के लगेंगे स्टॉलः-पुस्तक मेला संयोजक करुणा शंकर मिश्र ने बताया कि पिछले वर्ष 15 प्रकाशक आए थे लेकिन इस बार पुस्तक मेले में नेशनल बुक ट्रस्ट नई दिल्ली, राजकमल, उत्कर्ष, अनबॉउंड स्क्रिप्ट, निखिल प्रकाशन, दिनकर पुस्तकालय, साहित्य अकादमी, फाइनल इंक,पब्लिशर, बर्मा बुक कंपनी, सर्व सेवा संघ प्रकाशन, संजना बुक्स नई दिल्ली, सर्वभाषा प्रकाशन नई दिल्ली, ऑथर्स प्वाइंट आगरा, वैदिक अकादमी, लक्ष्मी प्रकाशन, हिंदी साहित्य संस्थान, द बुक जंक्शन, प्रिया एंटरप्राइजेज गाजियाबाद समेत 22 प्रकाशनों के स्टॉल लगेंगे। हर स्टॉल पर साहित्य के साथ-साथ अन्य विषयों की पुस्तक भी उपलब्ध रहेंगी। बुजुर्गों महिलाओं की खेलकूद प्रतियोगिता से होगा आगाज़:-गुरुवार को सुबह 9:00 बजे बुजुर्गों में महिलाओं की खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ पुस्तक मेले का आगाज होगा। शाम को फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के बाद पुरस्कार वितरण समारोह होगा खेलकूद प्रतियोगिता की मुख्य अतिथि ओलंपियन पद्मश्री सुधा सिंह एवं गोंडा की नन्ही धाविका अंशिका मिश्रा और गूगल गर्ल अनामिका मिश्रा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

छठ पूजा की तैयारियां जोरों पर, सेक्टर-82 में होगा भव्य आयोजन

निःशुल्क छठ पूजा समिति द्वारा जिम पार्क, पॉकेट-7 में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी होगा छठ महापर्व का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर-82 स्थित पॉकेट-



7 के जिम पार्क में निःशुल्क छठ पूजा समिति द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी छठ महापर्व का भव्य आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों एवं स्थानीय निवासियों द्वारा तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। छठ पूजा स्थल को आकर्षक रूप देने के साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं की जा रही हैं। निःशुल्क छठ पूजा समिति के संयोजक अमितेश कुमार ने हमारे ब्यूरो प्रभारी देव मणि शुक्ल से एक विशेष भेंटवार्ता में कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने छठ महापर्व के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि छठ पूजा सूर्य उपासना और प्रकृति के प्रति आस्था एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का महापर्व है। उन्होंने बताया कि इस पर्व में श्रद्धालु पूरी श्रद्धा, निष्ठा और पवित्रता के साथ भगवान सूर्य देव एवं छठी मैया की आराधना करते हैं। व्रती महिलाएं एवं पुरुष परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करते हुए अस्ताचलगामी एवं उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। समिति द्वारा आयोजन को सफल एवं व्यवस्थित बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। समिति का उद्देश्य सभी श्रद्धालुओं को एक ही स्थान पर सामूहिक रूप से छठ महापर्व मनाने के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। छठ महापर्व को लेकर स्थानीय निवासियों में विशेष उत्साह और श्रद्धा का माहौल है। आयोजन के माध्यम से क्षेत्र में सामाजिक एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक परंपराओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रवासी महासंघ द्वारा छठ महापर्व धूमधाम से मनाया जाएगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोयडा। नोयडा स्टेडियम में छठ पूजनोत्सव का महापर्व प्रवासी महासंघ नोयडा द्वारा धूमधाम से



मनाया जाएगा।प्रवासी महासंघ के अध्यक्ष आलोक वत्स ने बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रवासी महासंघ बहुत धूमधाम से छठ महापर्व का आयोजन करेगा जिसमें दूर में रहने वाले सभी श्रद्धालु जो छठ मैया में आस्था रखते हैं सादर आमंत्रित हैं, यहां श्रद्धालुओं के लिए विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी एक अस्थायी कुंड बनाया जायेगा जिसे जल के साथ गंगाजल से भी भरा जाएगा और जिसमें व्रती अस्ताचल गामी एवं उगते हुए सूर्य को अर्घ देकर इस महाव्रत को सम्पन्न कर सकेंगे इसके साथ ही देश के अलग अलग हिस्से से आए कलाकार जिनमें डॉ (विदुषी) अनू सिन्हा 'कत्थक गुरु' एवं टीम कत्थक नृत्य, लोक गायक आलोक पांडेय 'गोपाल' एवं लोक गायिका अंशिका सिंह सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करेंगे। प्रवासी महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष टी एन चौरसिया ने बताया कि प्रवासी महासंघ का मूल उद्देश्य अपनी माटी से दूर हर प्रवासी के दुख सुख में सहभागी होना है, दिल्ली एनसीआर में रह रहा कोई भी प्रवासी अपने को अकेला न समझे प्रवासी महासंघ हर परिस्थिति में उसके साथ खड़ा है। प्रवासी महासंघ के महासचिव अवधेश राय ने बताया कि कार्यक्रम में व्रतियों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा एवं छठ घाट में श्रद्धालुओं के लिए चारों तरफ सीढ़ीनुमा घाट बनाया जाएगा जिससे किसी भी श्रद्धालु को अर्घ्य देने में परेशानी न हो। महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं छठ घाट संयोजक विकास तिवारी ने बताया कि छठ घाट का आकार 60×120 फ़ीट का बनाया जा रहा है और इस में किसी प्रकार की अव्यस्था न हो इसके लिए हमारे लगभग 100 से अधिक वॉलेंटियर पूरे परिसर में रहेंगे जो व्यवस्था को बखूबी संभालेंगे एवं सुरक्षा के लिहाज से ड्रोन द्वारा परिसर की निगरानी की जाएगी इसके साथ ही छठ घाट में गंगा जल के साथ ताज़े गुलाब के फूल डलवाये जायेंगे। वरिष्ठ उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने बताया कि पूरे घाट की निगरानी सीसीटीवी द्वारा की जाएगी एवं वॉलेंटियर्स के साथ प्राइवेट सुरक्षा कर्मी भी घाट पर तैनात रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय कलराज मिश्र (पूर्व सांसद एवं राज्यपाल) अतिविशिष्ट अतिथि डॉ महेश शर्मा जी (पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद गौतमबुद्धनगर) ,विशिष्ट अतिथि नोएडा विधायक श्री पंकज सिंह जी ,श्रीमती विमला बाथम जी पूर्व अध्यक्ष उत्तरप्रदेश महिला आयोग सहित कई गणमान्य व्यक्ति हिस्सा लेंगे।इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष आलोक वत्स , कार्यकारी अध्यक्ष टी एन चौरसिया महासचिव अवधेश राय , कोषाध्यक्ष श्रीमती छाया राय , वरिष्ठ उपाध्यक्ष जीतेन्द्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास तिवारी, मिथिलेश राय, विजय कुमार सिंह , मीनाक्षी साही, अभिनव पांडेय , अनुज त्रिपाठी ,कमलेश तिवारी, आकाश तिवारी, मृत्युंजय त्रिपाठी,नितांत चौधरी, सत्य रंजन कुमार, श्रवण तिवारी एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

नोएडा सेक्टर 43 के सी-ब्लॉक में सुरक्षा व्यवस्था पर चिंताः आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दीपक शर्मा ने महाप्रबंधक सत्य प्रकाश जी व प्राधिकरण से की त्वरित कार्रवाई की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 43 स्थित सी-



ब्लॉक के कमर्शियल क्षेत्र और ग्रीन बेल्ट की बदहाली स्थानीय निवासियों के लिए गंभीर सुरक्षा संकट का कारण बन चुकी है। लंबे समय से सफाई न होने के कारण उगी घनी झाड़ियों, बाउंड्री वॉल के अभाव और अंधेरे के चलते यह पूरा इलाका असामाजिक तत्वों और शराबियों की आवाजाही का केंद्र बनता जा रहा है। शाम ढलते ही यहां सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित होती है और चोरी जैसी घटनाएं सामने आने से महिलाओं व बुजुर्गों में भय का माहौल है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दीपक शर्मा ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि स्थानीय निवासियों और आरडब्ल्यूए द्वारा महाप्रबंधक श्रीमान सत्य प्रकाश जी तथा संबंधित अधिकारियों को बार-बार सूचित करने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से जनहित में संज्ञान लेने का अनुरोध करते हुए कहा कि सेक्टरवासियों की सुरक्षा और क्षेत्र की सुंदरता बनाए रखना प्राथमिक जिम्मेदारी है, जिसे समय रहते पूरा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। ?आरडब्ल्यूए ने नोएडा प्राधिकरण से पुरजोर मांग की है कि इस ग्रीन बेल्ट और कमर्शियल भूमि की तत्काल मुकम्मल सफाई कराई जाए, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, मजबूत बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जाए और क्षेत्र में पुलिस की नियमित गश्त बढ़ाई जाए ताकि निवासियों को भयमुक्त वातावरण मिल सके और किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

12 नवंबर से 18 नवंबर तक शिव महापुराण की कथा सरदार पटेल पार्क इंदिरा नगर रायबरेली में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। कार्तिक मास के पावन महीने में दिनांक 12 नवंबर से 18 नवंबर तक शिव महापुराण की कथा सरदार पटेल पार्क इंदिरा नगर रायबरेली में संपन्न होने जा रही है मुख्य आयोजक योगेश कक्कड़ एवं राकेश कक्कड़ ने बताया कि वृंदावन से आचार्य बृजनंदन जी के पावन सानिध्य में यह शिव महापुराण की कथा प्रतिदिन शाम 5:00 बजे से रात्रि 8:00 बजे तक संपन्न होगी महिला पुरुषों की बैठने की अलग-अलग व्यवस्था की गई है सरदार पटेल पार्क का सौंदर्य येकरण एसपी सिंह सभासद नगर पालिका परिषद रायबरेली के सौजन्य से कराया गया है प्रतिदिन कथा के उपरांत आरती और प्रसाद का वितरण किया जाएगा आज दिनांक 11 नवंबर दिन बुधवार को शाम 3:00 झंडारोहण के साथ ही इस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ झंडा रोहण के कार्यक्रम में मधु कक्कड़, मंटू शुक्ला, उमेश से करिया, जितेंद्र शर्मा, रजनीश कपूर, पुपिंदर सिंह सलूजा, महेंद्र अग्रवाल, अभिषेक गोयल, ओ पी शुक्ला, राजीव श्रीवास्तव, निशा श्रीवास्तव की उपस्थिति उल्लेखनीय रहे। आयोजक राकेश कक्कड़ ने बताया कि दिनांक 12 नवंबर को प्रातः 9:00 बजे कलश यात्रा निक।ली जाएगी । अंतिम दिनांक 18 नवंबर को दोपहर 12:00 बजे के उपरांत भंडारा भी आयोजित किया गया है सभी नगर वासियों से इस शिव महापुराण कथा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर के कथा अमृत का पान करने का अनुरोध किया है।



भैयादूज के पावन पर्व पर जिला कारागार में करवाई गई मुलाकात

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। दिनांक 11 नवम्बर, 2026 को भैयादूज के पावन पर्व पर जिला कारागार प्रयागराज की समुचित सुरक्षा व्यवस्था / मुलाकात व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए कारागार में निरूद्ध बंदी भाईयों / बहनों से उनकी बहनों / भाईयों से नियमानुसार मुलाकात करायी गयी। इस अवसर पर कारागार में निरूद्ध बंदी भाईयों / बहनों से पॉच शिफ्टों में लगभग 750 बहनें व 11 भाई एवं उनके साथ 311 बच्चे मुलाकात हेतु कारागार पर आये। कारागार प्रशासन की ओर से इस अवसर पर आवश्यक प्रबन्धन सुनिश्चित कराया गया। भैजादूज का पर्व कारागार में निरूद्ध बंदी भाईयों एवं उनकी बहनों द्वारा अत्यन्त हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला कारागार प्रयागराज पर भैयादूज का पवित्र पर्व मनाये जाने हेतु कारागार में निरूद्ध बंदी भाईयों / बहनों से उनके बहनों/भाईयों से मुलाकात वरिष्ठ जेल अधीक्षक श्रीमती अमिता दुबे के नेतृत्व में जेलर श्री अनिल कुमार विश्वकर्मा, उप जेलर सुश्री अभिलाषा, उप जेलर श्री सौरभ सिंह यादव, उप जेलर श्री विजय प्रसाद, उप जेलर श्री अमर सिंह एवं कारागार के अन्य अधिकारियों / कर्मचारियों द्वारा कुशलतापूर्वक सम्पन्न कराया गया।



वरिष्ठ पत्रकार एवं सेवानिवृत एस0एन 0सोनी की पत्नी शशिलता सोनी का निधन, जनपद में शोक की लहर

इकलौते शिक्षक पुत्र को खोने के बाद अब जीवनसंगिनी का बिछोह, पत्नी को देवी स्वरूप बताते हुए बोले- 'मैं हार गया'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। वरिष्ठ पत्रकार, शिक्षाविद् एवं समाजसेवी शिव नारायण सोनी (एसएन सोनी) की पत्नी शशिलता सोनी का बुधवार सुबह करीब पांच बजे निधन हो गया। वह लंबे समय से अस्वस्थ थीं और लखनऊ में उनका उपचार चल रहा था। परिजनों और चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। उनके निधन की खबर से परिवार में शोक छा गया, वहीं शिक्षा, पत्रकारिता और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों में भी शोक की लहर दौड़ गई। पत्नी के निधन की सूचना स्वयं एसएन सोनी ने बुधवार सुबह एक मीडिया ग्रुप में साझा की। उनके चंद शब्दों ने जीवनसंगिनी को खोने का असहनीय दर्द बयां कर दिया। उन्होंने लिखा, 'मैं दुर्भाग्यशाली, देवी स्वरूपा धर्मपत्नी शशिलता सोनी सुबह पांच बजे गोलोकवास पर चली गईं, मैं हार गया।' पत्नी को देवी स्वरूप बताते हुए लिखे गए उनके इन शब्दों में लंबे संघर्ष, बेबसी और गहरे भावनात्मक आघात की पीड़ा साफ झलकती है। लंबे समय से पत्नी की देखभाल और उपचार में जुटे एसएन सोनी के लिए यह अपूरणीय व्यक्तिगत क्षति है। शिव नारायण सोनी का जीवन शिक्षा, पत्रकारिता और समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय योगदान के लिए जाना जाता है। राजकीय हाईस्कूल के प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त होने से पहले उन्होंने कई दशकों तक रायबरेली में शैक्षिक एवं बेसिक शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह भारत सेवक समाज स्वर्णकार संघ के अध्यक्ष, नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के प्रदेश पदाधिकारी तथा वरिष्ठ पत्रकार हैं। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति, रायबरेली में संगठन सचिव के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। शिव शक्ति सेवादार समिति से जुड़कर सामाजिक कार्यों में योगदान देने के साथ ही उन्होंने वकालत के माध्यम से जरूरतमंदों को निःशुल्क कानूनी सहायता भी उपलब्ध कराई है। इकलौते शिक्षक पुत्र के निधन के बाद दूसरा बड़ा आघातः-सोनी परिवार पर दुखों का पहाड़ शशिलता सोनी के निधन पर शिक्षा, पत्रकारिता, अधिवक्ता एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। राजकीय कॉलोनी स्थित एसएन सोनी के आवास पर शोक संवेदना व्यक्त करने और दिवंगत को श्रद्धांजलि देने वालों का पहुंचना जारी है।लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल देने की प्रार्थना की है।



विकसित भारत-जी राम जी योजना के तहत 23 से 30 नवम्बर तक आयोजित होगा विशेष रोजगार सप्ताह-केशव प्रसाद मौर्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने विकसित भारत-जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकाधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 23 नवम्बर से 30 नवम्बर, 2026 तक प्रदेश में विशेष रोजगार सप्ताह आयोजित करने के निर्देश ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने निर्देशित किया है कि इस विशेष रोजगार सप्ताह के दौरान जनपदवार मानव दिवस सृजन के निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित की जाए तथा अधिकतम पात्र श्रमिकों को उनकी मांग के अनुरूप वास्तविक रोजगार उपलब्ध कराया जाए।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गत 12 अक्टूबर, 2026 को विशेष रोजगार सृजन दिवस आयोजित किए जाने के निर्देश दिए गए थे, जिसमें जनपदों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मानव दिवस सृजन के साथ-साथ योजना के अंतर्गत निर्धारित चार थीम के अनुरूप बड़े पैमाने पर जनोपयोगी कार्य भी कराए गए। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए विशेष रोजगार सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण श्रमिकों को पर्याप्त रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ गांवों में टिकाऊ परिसम्पत्तियों का निर्माण भी सुनिश्चित हो सके। उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में आयुक्त, ग्राम्य विकास श्री प्रमोद कुमार उपाध्याय द्वारा सभी जिला कार्यक्रम समन्वयकों एवं संबंधित अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने निर्देशित किया है कि विशेष रोजगार सप्ताह की तैयारियां समय से पूरी करते हुए 21 नवम्बर, 2026 से कार्य प्रारम्भ करा दिए जाएं तथा 23 से 30 नवम्बर तक विशेष रोजगार सप्ताह का प्रभावी एवं सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाए। उल्लेखनीय है कि कृषि कार्यों में बुवाई एवं कटाई की चरम अवधि को देखते हुए शासन द्वारा 01 नवम्बर से 20 नवम्बर, 2026 तक योजना के अंतर्गत कार्यों की निलंबन अवधि निर्धारित की गई थी। इस अवधि में आगामी कार्यों के चयन, कार्ययोजना तैयार करने तथा अन्य आवश्यक तैयारियां पूरी की जानी हैं, जिससे 21 नवम्बर से कार्य सुचारु रूप से प्रारम्भ हो सकें। आयुक्त द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार जनपदों को योजना के अंतर्गत अनुमन्य 375 कार्यों में से ऐसे कार्यों का चयन करना होगा, जिनमें अधिकाधिक श्रमिकों का नियोजन हो सके और जो ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उपयोगी हों। विशेष रोजगार सप्ताह के दौरान टिकाऊ परिसम्पत्तियों के निर्माण, जल सुरक्षा एवं जल संरक्षण के कार्यों पर विशेष बल दिया जाएगा। इसके साथ ही ग्रामीण आजीविका संवर्द्धन से जुड़े कार्यों को भी प्राथमिकता दी जाएगी। इस संबंध में आयुक्त द्वारा जारी पत्र के साथ संलग्न गूगल शीट में 16 सुझावात्मक कार्यों का विवरण दिया गया है। जनपदों को अपनी ग्राम पंचायतों में कराए जाने वाले कार्यों की कार्ययोजना गूगल शीट पर दर्ज करनी होगी। ये कार्य सुझावात्मक हैं। इनके अतिरिक्त योजना के अंतर्गत अनुमन्य अन्य कार्य भी कराए जा सकेंगे।

अवैध कच्ची शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की छापेमारी,20 लीटर शराब बरामद, 200 किलो लहन नष्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को दौरान आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 प्रशांत कुमार ने अपनी टीम के साथ सदर तहसील के थाना भदोखर अंतर्गत ग्राम भदोखर में कच्ची शराब बनाने के अड्डों एवं संदिग्ध घरों पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान कुल 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा 200 किलोग्राम लहन बरामद कर मौके पर ही नष्ट कराया गया। उक्त कार्रवाई के संबंध में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कुल 02 अभियोग पंजीकृत किए गए।



आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत उप आबकारी आयुक्त, लखनऊ प्रभार के मार्गदर्शन एवं जिला आबकारी अधिकारी, रायबरेली के नेतृत्व में आबकारी विभाग की टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्रवाई की गई। इस

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स



देश में हर तीसरे व्यक्ति को मेटाबॉलिक सिंड्रोम,डॉक्टर से समझें क्या है ये बीमारी, इसे कैसे पहचानें और कैसे बचें

नयी दिल्ली। दिल धड़क रहा है, शरीर भोजन से ऊर्जा बना रहा है और हर सेकेंड अरबों कोशिकाएं काम कर रही हैं। इन सभी प्रक्रियाओं के पीछे मेटाबॉलिज्म नाम का जटिल सिस्टम काम करता है। यह शरीर को सुचारु रूप से चलाने में अहम भूमिका निभाता है। जब इस संतुलन में गड़बड़ी आने लगती है तो 'मेटाबॉलिक सिंड्रोम' हो सकता है। यह ऐसी स्थिति है, जिसमें पेट की चर्बी, हाई ब्लड प्रेशर, हाई ब्लड शुगर और असामान्य कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं एक साथ हो सकती हैं। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, भारत के शहरी इलाकों में रहने वाले हर ३ में से १ वयस्क को मेटाबॉलिक सिंड्रोम है।50 साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते यह आंकड़ा 40फीसदी से भी ज्यादा हो जाता है। चिंता की बात यह है कि ज्यादातर लोगों को इसका पता भी नहीं चलता, क्योंकि आमतौर पर शुरुआत में इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते। इसलिए आज मेटाबॉलिक सिंड्रोम पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- मेटाबॉलिक सिंड्रोम का पता कैसे चलता है? इससे बचाव के लिए क्या करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अभिनबा हाजरा, कंसल्टेंट, एंडोक्रोनोलॉजी, धर्मशिला नारायणा सुपर स्पेशलिटी, हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मेटाबॉलिक सिंड्रोम क्या है?जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- यह ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर में कई मेटाबॉलिक सिस्टम से जुड़ी कई गड़बड़ियां एक साथ होने लगती हैं। इसमें शरीर एनर्जी, शुगर और फैट को सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाता है। इस स्थिति में शरीर के अंदर ऐसे बदलाव शुरू हो चुके होते हैं, जो आगे चलकर कई गंभीर बीमारियों का रिस्क बढ़ाते हैं। यह एक तरह का वार्निंग साइन है, जो बताता है कि शरीर की मेटाबॉलिक हेल्थ बिगड़ रही है। मेटाबॉलिक सिंड्रोम धीरे-धीरे विकसित होता है। लंबे समय तक इसका कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखता। इसलिए रेगुलर हेल्थ चेकअप जरूरी है। समय रहते सही लाइफस्टाइल अपनाकर डायबिटीज, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक के रिस्क को कम किया जा सकता है। सवाल- डॉक्टर कब कहते हैं कि किसी को मेटाबॉलिक सिंड्रोम है?जवाब- इसके लिए डॉक्टर शरीर के कुछ महत्वपूर्ण हेल्थ पैरामीटर्स की जांच करते हैं। अगर किसी व्यक्ति में तय 5 रिस्क फैक्टर्स में से 3 या उससे ज्यादा मौजूद हों तो यह मेटाबॉलिक सिंड्रोम का संकेत होता है। मेटाबॉलिक सिंड्रोम के बेसिक पैरामीटर्स- कमर का घेरा बढ़ना। ट्राइग्लिसराइड 150 से ज्यादा। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल कम होना। ब्लड प्रेशर 130/85 से ज्यादा। फास्टिंग ब्लड शुगर 100 से ज्यादा। सवाल- मेटाबॉलिक सिंड्रोम क्यों होता है? इसके संभावित कारण क्या हो सकते हैं? जवाब- इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स इंसुलिन रेजिस्टेंस को इसका सबसे बड़ा कारण मानते हैं। इसे पॉइंटर्स से समझिए-इंसुलिन एक हार्मोन है, जो ब्लड में मौजूद शुगर को सेल्स तक पहुंचाने का काम करता है। जब सेल्स इंसुलिन के प्रति कम संवेदनशील हो जाती हैं, तो शुगर सेल्स के अंदर ब्लीक से नहीं पहुंच पाता। इससे ब्लड शुगर बढ़ने लगती है। इसे 'इंसुलिन रेजिस्टेंस' कहते हैं। ऐसी स्थिति में शरीर को ब्लड शुगर कंट्रोल रखने के लिए ज्यादा इंसुलिन बनाना पड़ता है। समय के साथ इसका असर शुगर, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल और पेट की चर्बी पर पड़ने लगता है। यही बदलाव आगे चलकर मेटाबॉलिक सिंड्रोम की वजह बनते हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम के कारणः- बढ़ती उम्र। क्रॉनिक स्ट्रेस। पर्याप्त नींद न लेना। फैमिली इंसुलिन हिस्ट्री। रेजिस्टेंस। पेट पर चर्बी बढ़ना। -लो फिजिकल एक्टिविटी। अनहेल्दी खानपाना सिडेंटरी लाइफस्टाइल। मीठा ज्यादा खाना। रिफाइंड कार्ब खाना।



सवाल- मेटाबॉलिक सिंड्रोम के शुरुआती संकेत क्या हैं? जवाब- इसमें शरीर कुछ ऐसे संकेत देने लगता है, जिन्हें अक्सर लोग सामान्य थकान या बढ़ती उम्र का असर समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम के संकेतः- खर्राटे आना। जल्दी थकान होना। पेट बाहर निकलना। सीढ़ियां चढ़ने में सांस फूलना। दिनभर सुस्ती रहना। वजन बढ़ना। नींद पूरी न होना। बार-बार भूख लगना। मीठे की क्रेविंग होना। सवाल- क्या दुबले-पतले लोगों को भी मेटाबॉलिक सिंड्रोम हो सकता है? जवाब- हां, कुछ लोग दिखने में दुबले-पतले होते हैं, लेकिन उनके पेट के अंदर और अंगों के आसपास फैट जमा हो सकता है। इसे अक्सर 'स्किनी फैट' कहते हैं। ऐसे लोगों का वजन सामान्य हो सकता है। लेकिन उनके शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस, हाई ब्लड शुगर, असामान्य कोलेस्ट्रॉल या हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याएं मौजूद हो सकती हैं। सवाल- पेट की चर्बी सबसे खतरनाक क्यों मानी जाती है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए-इसमें फैट सिर्फ स्किन के नीचे ही नहीं, बल्कि शरीर के अंदर लिवर, इंटेस्टाइन और अन्य ऑर्गन्स के आसपास भी जमा हो सकती है। इस अंदरूनी चर्बी को 'विसरल फैट' कहते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह चर्बी कई ऐसे केमिकल रिलीज करती है, जो शरीर के सामान्य कामकाज को प्रभावित करते हैं। यही कारण है कि पेट की चर्बी मेटाबॉलिक सिंड्रोम, टाइप-2 डायबिटीज और हार्ट डिजीज के रिस्क को बढ़ाती है। सवाल- किन लोगों में मेटाबॉलिक सिंड्रोम का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- इसका रिस्क उन लोगों में ज्यादा होता है, जिन्हें लंबे समय से शुगर, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल या वजन से जुड़ी समस्याएं बनी हुई हैं। किन्हें रिस्क ज्यादा है, मेटाबॉलिक सिंड्रोम का रिस्क किन्हें ज्यादाः- जो प्रीडायबिटिक हैं। जिन्हें हाई बीपी है। जिन्हें लिवर डिजीज है। जो ओबीज हैं। जो स्मोकर हैं। जो सिडेंटरी लाइफ जीते हैं। जिन्हें पीएमओएस हैं। जिनका कोलेस्ट्रॉल ज्यादा है। जिनकी डायबिटीज/ 100 हार्ट डिजीज की फैमिली हिस्ट्री है। सवाल- क्या तनाव में खाना (स्ट्रेस ईटिंग) भी मेटाबॉलिक सिंड्रोम का रिस्क बढ़ाता है? जवाब- हां, ऐसा हो सकता है। इसे पॉइंटर्स से समझिए- कई लोग स्ट्रेस, एंग्जाइटी या उदासी के दौरान जरूरत से ज्यादा खाना खाने लगते हैं, खासकर मीठी, तली-भुनी और ज्यादा कैलोरी वाली चीजें। इसे स्ट्रेस ईटिंग कहा जाता है। समस्या यह है कि ऐसे फूड आइटम्स अक्सर शरीर को जरूरत से ज्यादा कैलोरी देते हैं। अगर यह आदत लंबे समय तक बनी रहे, तो वजन बढ़ सकता है और पेट के आसपास चर्बी जमा होने लगती है। सवाल- क्या मेटाबॉलिक सिंड्रोम और डायबिटीज एक ही चीज हैं? जवाब- नहीं, डायबिटीज एक कंडीशन है, जिसमें शरीर ब्लड शुगर को ब्लीक से मैनेज नहीं कर पाता। वहीं मेटाबॉलिक सिंड्रोम कई रिस्क फैक्टर्स का एक समूह है, जो भविष्य में डायबिटीज और दूसरी गंभीर बीमारियों का रिस्क बढ़ाता है। सवाल- क्या मेटाबॉलिक सिंड्रोम को रिवर्स किया जा सकता है? जवाब- हां, शुरुआती या हल्के मेटाबॉलिक सिंड्रोम को रिवर्स किया जा सकता है। मेटाबॉलिक सिंड्रोम कोई एक बीमारी नहीं, बल्कि कुछ जोखिमों का समूह है, जैसेकि- पेट के आसपास ज्यादा चर्बी। बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर। बढ़ी हुई ब्लड शुगर। ट्राइग्लिसराइड ज्यादा। एचडीएल (गुड कोलेस्ट्रॉल) कम। इनमें जैसे ही सुधार होता है, मेटाबॉलिक सिंड्रोम वेज पैरामीटर्स भी नॉर्मल हो सकते हैं। सवाल- इसे रिवर्स करने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- सबसे पहले कमर की चर्बी कम करें और इंसुलिन रेजिस्टेंस को कम करने पर ध्यान दें। इसके लिए-नियमित फिजिकल एक्टिविटी करें। हफ्ते में कम-से-कम 2-3 दिन स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें। सब्जियां, दालें, साबुत अनाज, फल, नट्स और पर्याप्त प्रोटीन लें। शुगरी ड्रिंक्स, चीनी वाले फूड और अल्ट्राप्रोसेस्ड फूड कम करें। लंबे समय तक लगातार बैठे रहने से बचें। 7-9 घंटे की अच्छी, गहरी नींद लें। ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और लिपिड प्रोफाइल रेगुलर चेक कराएं। सवाल- मेटाबॉलिक सिंड्रोम न हो, इसके लिए हमारी लाइफस्टाइल कैसी होनी चाहिए? जवाब- इसके लिए खानपान, शारीरिक गतिविधि, नींद और तनाव जैसी सभी चीजों पर एक साथ ध्यान देना जरूरी है। फिजिकली एक्टिव रहें। संतुलित और घर का बना भोजन खाएं। खाने में पौष्टिक चीजें शामिल करें। वजन और कमर के घेरे पर नजर रखें। 7-9 घंटे की अच्छी नींद लें। तनाव को मैनेज करें। धूम्रपान और तंबाकू से दूर रहें। रेगुलर हेल्थ चेकअप कराएं।



आईपीएल 2027 से पहले-अर्शदीप मुंबई इंडियंस से जुड़ेंगे,हार्दिक-अर्शदीप का ट्रेड,पंड्या पंजाब किंग्स में जाएंगे,दोनों की फीस रु18-18 करोड़

स्पोर्ट डेस्क। आईपीएल 2027 सीजन से पहले मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच बड़ा ट्रेड हुआ है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस छोड़कर पंजाब किंग्स से जुड़ गए हैं। वहीं, पंजाब ने अपने तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को मुंबई इंडियंस के साथ ट्रेड किया है। आईपीएल की ओर से जारी बयान के मुताबिक, हार्दिक की फीस रु16.35 करोड़ से बढ़कर रु18 करोड़ हो गई है। अर्शदीप रु18 करोड़ की मौजूदा फीस पर ही मुंबई से जुड़े हैं।हार्दिक मुंबई के लिए 10 सीजन खेलेः- हार्दिक ने 2015 से 2021 तक लगातार 7 सीजन और 2024 से 2026 तक 3 सीजन मुंबई के लिए खेले। इस बीच वे 2022 और 2023 में गुजरात टाइटंस का हिस्सा रहे। हार्दिक आईपीएल 2026 के बाद खुद ही मुंबई की टीम छोड़ना चाहते थे। हार्दिक की कप्तानी में मुंबई का रिकॉर्ड कमजोर रहाः-हार्दिक का यह तीन साल में दूसरी बार ट्रेड के जरिए टीम बदलना होगा। आईपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस ने उन्हें गुजरात टाइटंस से ऑल-कैश डील में शामिल किया था। इसके बाद उन्हें रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया। रोहित की कप्तानी में मुंबई पांच आईपीएल खिताब जीत चुकी थी। हार्दिक की कप्तानी में मुंबई ने 2024 में आखिरी स्थान हासिल किया। 2025 में टीम प्लेऑफ तक पहुंची, लेकिन 2026 में नौवें स्थान पर रही।



इसके उलट गुजरात टाइटंस के कप्तान के तौर पर उनका रिकॉर्ड बेहतर था। गुजरात ने उनकी कप्तानी में 31 मैचों में 22 जीत और 9 हार दर्ज कीं। पहली बार पंजाब के अलावा किसी दूसरी टीम से खेलेंगे अर्शदीपः- अर्शदीप ने 2019 में पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल डेब्यू किया था। अब तक वे इसी फ्रेंचाइजी के लिए खेले हैं। उन्होंने 96 मैचों में 111 विकेट लिए हैं। इस दौरान उनकी इकोनॉमी 9.18 रही। पंजाब के पास भारतीय तेज गेंदबाजों में यश ठाकुर और विजयकुमार वैशाक भी हैं।

पाक-श्रीलंका दूसरा टेस्ट लाहौर से रावलपिंडी शिफ्ट

स्मॉग और खराब एयर क्वालिटी के कारण पीसीबी का फैसला,17 नवंबर से खेला जाएगा मैच

स्पोर्ट डेस्क। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट लाहौर से रावलपिंडी शिफ्ट कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को इसकी घोषणा की। मुकाबला 17 नवंबर से रावलपिंडी में ही खेला जाएगा, जहां दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट जारी है। वेन्यू शिफ्ट करने के पीछे की वजह मौसम है। लाहौर इन दिनों मौसमी स्मॉग की चपेट में है। स्विस कंपनी आईक्यू एयर के मुताबिक, 10 नवंबर को लाहौर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर था। हर साल अक्टूबर से दिसंबर के बीच पाकिस्तान और भारत के कुछ हिस्सों में स्मॉग की समस्या रहती है। ब्रॉडकास्टर्स को लाइव टेलीकास्ट की क्वॉलिटी पर चिंता-खराब विजिबिलिटी के कारण ब्रॉडकास्टर्स ने लाहौर में मैच के लाइव प्रसारण की क्वॉलिटी को लेकर चिंता जताई थी। एयर क्वालिटी बिगड़ने के बाद ब्रॉडकास्टिंग टीम को लाहौर की यात्रा की तैयारी रोकने के लिए कहा गया था। इसके बाद पीसीबी ने मैच का वेन्यू बदलने का फैसला लिया। 2007 के बाद नवंबर में लाहौर में नहीं हुआ इंटरनेशनल मैचः-इस फैसले से पीसीबी की लाहौर में शुरुआती सर्दियों के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कराने की कोशिशों को झटका लगा है। अगर दूसरा टेस्ट गद्दाफी स्टेडियम में होता, तो 2007 के बाद पहली बार 1 नवंबर के बाद लाहौर में कोई इंटरनेशनल मैच खेला जाता। मैच की तारीखों में बदलाव नहीं:- वेन्यू बदलने के बावजूद टेस्ट मैच के शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दूसरा टेस्ट 17 से 21 नवंबर तक रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत-श्रीलंका वनडे का वेन्यू भी बदलाः- भारत और श्रीलंका के बीच 13 दिसंबर को होने वाला पहला वनडे भी दिल्ली से विशाखापत्तनम शिफ्ट कर दिया गया है। यह मुकाबला पहले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाना था। बीसीसीआई के मुताबिक, दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) ने संभावित मौसम संबंधी बाधाओं और स्टेडियम में प्रस्तावित रिनोवेशन के कारण वेन्यू बदलने का अनुरोध किया था। अब यह मैच विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।



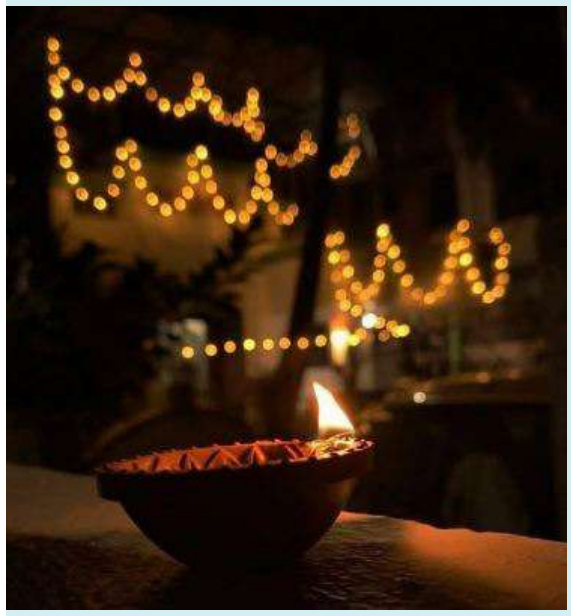
क्या है जापानी सुपरफूड माचा,न्यूट्रिशनिस्ट से जानें इसके 7 हेल्थ बेनिफिट्स, घर पर बनाने का सही तरीका

नयी दिल्ली। कुछ साल पहले तक माचा भारत में ज्यादातर लोगों के लिए एक हरे रंग का पाउडर था। आज यह कैफे के मेन्यू, सोशल मीडिया रील्स और फिटनेस इन्फ्लुएंसर्स की पसंदीदा ड्रिंक बन चुका है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले एक साल में भारत में गूगल ट्रेंड्स पर 'हाउ टू मेक माचा' की सर्च लगभग 1300फीसदी बढ़ गई है। माचा को 'जापानी सुपरफूड' कहा जाता है, लेकिन इसकी कहानी चीन से शुरू हुई थी। तांग और सॉन्ग राजवंश के समय चाय की पत्तियों को पीसकर पाउडर बनाया जाता था और उसे गर्म पानी में फेंटकर पिया जाता था। वर्ष 1191 के आसपास जापानी जेन भिक्षु इसाई इस परंपरा को चीन से जापान लेकर गए। धीरे-धीरे माचा जापानी जेन संस्कृति और पारंपरिक टी सेरेमनी का अहम हिस्सा बन गया। समय के साथ यह परंपरा चीन में लगभग खत्म हो गई। लेकिन जापान ने इसे अपनी सांस्कृतिक पहचान के रूप में सहेजकर रखा। माचा की पॉपुलैरिटी के पीछे इसके हेल्थ बेनिफिट्स भी बड़ी वजह है। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी वेज मुताबिक,माचा में एपिगैलोकैटेचिन -3-गैलेट (ईजीसीजी) नाम का पावरफुल एंटीऑक्सिडेंट होता है। यह ब्लड प्रेशर और वेट कंट्रोल में मदद करता है। इसलिए आज में माचा टी पर विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- माचा पीने के बाद शरीर में क्या होता है? इसके हेल्थ बेनिफिट्स क्या हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- अमृता मिश्रा, सीनियर डाइटीशियन, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- माचा क्या है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए-माचा एक तरह की पाउडर वाली ग्रीन टी है। यह 'कैमेलिया साइनेंसिस' की पत्तियों से बनाई जाती है। सामान्य ग्रीन टी की तरह इसे उबालकर या छानकर नहीं पिया जाता। चाय की पत्तियों को बारीक पीसकर पाउडर बनाया जाता है। इस पाउडर को गर्म पानी में फेंटकर तैयार किया जाता है। माचा के लिए इस्तेमाल होने वाले चाय के पौधों को कटाई से 3-4 हफ्ते पहले विशेष जाल या कपड़े से ढक दिया जाता है। इस प्रोसेस को 'शेडिंग' कहते हैं। कम धूप मिलने से पत्तियों में क्लोरोफिल और अन्य बेनिफिशियल कंपाउंड की मात्रा बढ़ जाती है। यही वजह है कि माचा का रंग सामान्य ग्रीन टी की तुलना में ज्यादा ज्यादा हरा होता है। सवाल- माचा और ग्रीन टी में क्या अंतर है? जवाब- सामान्य ग्रीन टी में पत्तियों को गर्म पानी में भिगोकर उनका अर्क पिया जाता है, जबकि माचा में चाय की पूरी पत्ती का बारीक पाउडर इस्तेमाल होता है। माचा और ग्रीन टी में फर्कः- माचा-बारीक पाउडर, गहरा हरा रंग, छाया में उगाई गई, ज्यादा कैफिन,ज्यादा एंटीऑक्सिडेंट्स, महंगी। ग्रीन टी- सूखी पत्तियां, धूप में उगाई गई, कैफीन कम, हल्का हरा रंग, एंटीऑक्सिडेंट्स कम, अपेक्षाकृत सस्ती। सवाल- क्या माचा में कैफीन होती है?जवाब- हां, माचा में कैफीन होती है। ग्रीन टी की पत्तियों में प्राकृतिक रूप से कैफीन मौजूद होती है। चूंकि माचा पूरी ग्रीन टी पत्ती के पाउडर से बनाई जाती है। इसलिए इसमें सामान्य ग्रीन टी की तुलना में ज्यादा और कॉफी की तुलना में कम कैफीन होती है। 'हार्वर्ड हेल्थ' के मुताबिक, करीब 240एमएल माचा में 38-89 एमजी तक कैफीन होती है। इतनी ही मात्रा की ग्रीन टी में करीब 23-49एमजी कैफीन होती है। सवाल- माचा पीने के बाद शरीर में क्या होता है? जवाब- माचा पीने के बाद इसमें मौजूद कैफीन, एल-थियानीन और एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर में अवशोषित होने लगते हैं। इसके बाद ब्रेन और शरीर में कुछ बदलाव होते हैं। पॉइंटर्स से समझिए- माचा में मौजूद कैफीन ब्लडस्ट्रीम में पहुंचकर ब्रेन को अलर्ट करती है। इससे कुछ समय के लिए थकान कम महसूस होती है और अलर्टनेस बढ़ती है। माचा में मौजूद एल-थियानीन ब्रेन में कुछ न्यूरोट्रांसमीटर के लेवल को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि माचा पीने के बाद मूड बेहतर होता है। माचा में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर में फ्री रेडिकल्स को निष्क्रिय करने में मदद करते हैं। मेटाबॉलिज्म कुछ समय के लिए थोड़ा एक्टिव होता है। इससे शरीर ज्यादा कैलोरी बर्न करता है। माचा में पॉलीफेनॉल्स होते हैं, जो शरीर में ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस कम करते हैं और इंफ्लेमेशन दूर करते हैं। यही वजह है कि हेल्थ एक्सपर्ट इसे ओवरऑल हेल्थ को सपोर्ट करने वाले.. ड्रिंक के रूप में देखते हैं। सवाल- माचा के हेल्थ बेनिफिट्स क्या हैं? जवाब- माचा में कैटेचिन्स, एल-थियानीन, कैफीन और एंटीऑक्सिडेंट्स जैसे कई एक्टिव कंपाउंड होते हैं। ये कंपाउंड हेल्थ को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं। माचा के हेल्थ बेनिफिट्सः- सेल्स डैमेज से बचाता है। फोकस, एकाग्रता बढ़ाता है। हार्ट हेल्थ को सपोर्ट करता है। ऊर्जा और एलर्टनेस बढ़ाता है। बीपी - कंट्रोल में मदद करता है। ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस कम करता है। ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस कम करता है। इंफ्लेमेशन कम करता है। सवाल- क्या माचा वजन कम करने में मददगार है?जवाब- हां, इसमें मौजूद कैफीन और कैटेचिन्स (खासकर इजीसीजी) मेटाबॉलिज्म और फैट ऑक्सीडेशन को बढ़ा सकते हैं। इससे शरीर ज्यादा कैलोरी बर्न करता है। हालांकि, सिर्फ माचा पीने से वजन कम नहीं होता। इसके लिए संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और पर्याप्त नींद भी जरूरी है। सवाल- क्या माचा पीने से शरीर डिटॉक्स होता है? जवाब- वैज्ञानिक रूप से ऐसा कोई सबूत नहीं है कि यह शरीर से टॉक्सिन्स निकाल देती है। सवाल- माचा पीने का सबसे अच्छा समय क्या है? जवाब- इसका सबसे अच्छा समय सुबह है। इसमें कैफीन होती है, जो एनर्जी और अलर्टनेस बढ़ाने में मदद करती है। इसलिए इसे देर शाम या रात में पीने से कुछ लोगों की नींद प्रभावित हो सकती है।



समाज तभी खुशहाल होगा, जब दीपावली के दीये 'अंदरूनी' अंधेरा मिटाएंगे

रोशनी का मतलब है कि वह हमें बेहतर देखने में मदद करे। और रोशनी के त्योहार की बात करें तो इसे महज हमारे घर-मोहल्लों को रोशन ही नहीं, बल्कि हमें अपने भीतर झांकने में भी मदद करनी चाहिए। लेकिन इस दीपावली कुछ घटनाओं ने एक असहज सवाल खड़ा किया है कि आखिर हमें हो क्या गया है?तमिलनाडु के थेनी में 56 साल के स्पेशल सब-इंस्पेक्टर सेंथिल कुमार ड्यूटी से घर लौट रहे थे तो उन्होंने कुछ युवाओं को सड़क पर पटाखे फोड़कर यातायात बाधित करते देखा। जब उन्होंने आपत्ति जताई और वीडियो बनाने लगे तो उन युवाओं ने सेंथिल पर हमला कर दिया। वे गिरे और उनकी मौत हो गई। त्रिची जिले में एक आईटी कंपनी टेक्नीशियन एक्स क्रिस्टोफर परिवार के साथ दीपावली मनाने गांव आए थे। पटाखों के टुकड़े लगने को लेकर हुए विवाद में उनकी चाकू मारकर हत्या कर दी गई। जिस त्योहार पर वे खुशी मनाने घर लौटे थे, उसका अंत उनके अंतिम संस्कार की तैयारियों के साथ हुआ। हिमाचल प्रदेश के ऊना में पटाखों पर हुआ विवाद और हिंसक हो गया। पड़ोसियों के साथ बहस के बाद जरनैल सिंह अपनी एसयूवी लेकर लौटा और ओंकार सिंह, उनकी पत्नी वीना देवी को कुचलकर मार दिया। जमीन विवाद को लेकर पहले से उलझे दो परिवारों में महज एक असहमति को लेकर हुआ झगड़ा अंततः दो मौतों पर खत्म हुआ। गोवा में पणजी, मडगांव, पोरवोरिम और मापुसा में नरकासुर सेलेब्रेशन के दौरान



आधी रात तक लाउडस्पीकर बंद करने संबंधी हाईकोर्ट के निर्देशों का पालन कराने पहुंची पुलिस को युवाओं का गुस्सा झेलना पड़ा। यह चिंताजनक है कि कुछ युवा कानून की अवहेलना को बहादुरी का प्रदर्शन समझने लगे हैं। वर्दीधारी लोगों को सिर्फ इसलिए नीचा दिखाया जा रहा है, क्योंकि वे कानून का पालन करा रहे हैं। किसी आदेश से असहमत होना एक बात है, लेकिन कानून का अनादर बिल्कुल अलग। कटक में रात 9 बजे के बाद पटाखे फोड़ने की डेडलाइन का पालन करा रहे एसीपी के साथ हाथापाई की गई। विवाद तब शुरू हुआ, जब पुलिसकर्मियों ने सड़क पर पड़े पटाखों को लात मार दी। इससे लक्ष्मी पूजा की तैयारी कर रहे दुकानदार नाराज हो गए। इन सभी घटनाओं को एक साथ देखिए। अलग राज्य, अलग हालात, अलग लोग, लेकिन परेशान करने वाली एक बात समान है- गुस्से पर काबू रख पाने और कानून का सम्मान कर पाने में हमारी अक्षमता तथा विवादों को बिना हिंसक हुए सुलझाना। हम ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं, जहां युवाओं से ट्रैफिक बाधित न करने की बात कहने पर पुलिस ऑफिसर की जान जा सकती है। पड़ोसी का पटाखों पर आपत्ति जताना हत्या का कारण बन सकता है। शोर नियंत्रित करने संबंधी अदालती आदेश विरोध-प्रदर्शनों को भड़का सकता है। कानून लागू कराने वालों को भी जनता का गुस्सा झेलना पड़ सकता है। क्या त्योहार मनाने से हमें दूसरों को परेशान करने का अधिकार मिल जाता है? पटाखों पर पैसा खर्च करके हमें किसी की सुरक्षा की अनदेखी करने की आजादी मिल जाती है? क्या यूनिफॉर्म पहनने का मतलब है कि पुलिसकर्मी को अपमान व हिंसा झेलनी होगी? और क्या यूनिफॉर्म पहनने से ऑफिसर को जन-भावनाओं की अनदेखी का अधिकार मिल जाता है? ये सवाल पूछे जाने चाहिए। जवाब यह नहीं है कि पटाखों पर पाबंदी लगा दी जाए, हर सेलेब्रेशन शांत कर दिया जाए या समय की पाबंदियां और सख्त कर दी जाएं। नियम जरूरी हैं, खासकर जब शोर, प्रदूषण और लोगों की सुरक्षा का सवाल हो। लेकिन अकेले नियम समाज को सिविलाइज्ड नहीं बना सकते। कुछ और बुनियादी चीजें जरूरी हैं- आत्मसंयम, संवेदनशीलता और पारस्परिक सम्मान। शायद हमें सबसे बड़ा पटाखा अपने दिमाग में फोड़ने की जरूरत है- हमारा इगो। हमें ऐसी रोशनी जगाने की जरूरत है, जो प्रतिक्रिया से पहले ठहरना, प्रोटेस्ट से पहले सम्मान करना और जज करने से पहले समझना सिखाती हो। किसी समाज को इस बात से जज नहीं किया जाता कि वह अपने त्योहार कितनी रोशनी के साथ मनाता है, बल्कि इससे कि उसके लोग एक-दूसरे को कितनी मानवीयता से ट्रीट करते हैं। फंडा यह है कि हमें किसी चीज पर पाबंदी लगाने की जरूरत नहीं है, लेकिन हिंसा, असहिष्णुता और अहंकार पर रोक जरूरी है, जो धीरे-धीरे साथ मिलकर त्योहार मनाने की खुशी छीन रहे हैं। एन. रघुरामन

मॉडरेशन यानी चीजों का भरपूर आनंद लेना, बिना उनके गुलाम बने

आज के इंस्टेंट दौर में सभी एक दौड़ में शामिल लगते हैं- बेचैन और अधीर। हर अधिक, हर बार कम पड़ जाता है और उसके साथ ही कम पड़ जाता है वह सबकुछ, जिसकी समाज को बनाने में सबसे ज्यादा जरूरत होती है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर



बेचने-खरीदने का मौसम सदाबहार रहता है। सभी खरीदने में लगे हैं- सस्ता, इससे सस्ता, उससे सस्ता। जरूरत हो न हो, पर इकट्ठा करते रहने की वृत्ति बन गई है। हमें पता भी नहीं चलता कि हम अति की ओर बढ़ चुके हैं। बाजार से घर, व्यवहार से आदतों तक- सभी अपने अवचेतन को उस अवस्था में पहुंचा चुके हैं, जहां वो जो भी करते हैं, वह अति की ओर ही बढ़ेगा। बाजार से लेकर एल्गोरिदम्स को भी मालूम है हम अति के सिंड्रोम से ग्रस्त हैं। खुद को हो सही मानना इस युग का दर्शन हो चुका है और आज तो बात-बात में लोग आपा खो देते हैं। उन्हें किसी तरह का प्रतिबंध पसंद नहीं होता। अपनी स्वतंत्रता के अधिकार को वे मॉडरेशन से मुक्त कर स्वच्छंद रखना चाहते हैं। मालूम होता है सम्प्रेषण और जीवनशैली में अब सिर्फ उसी स्वतंत्रता की वैल्यू है, जो स्वच्छंद और उन्मुक्त है। प्यार करेंगे तो अति, घृणा में अति, जगे हैं तो जगे ही हैं, सो गए तो सो गए, खा रहे हैं तो खाए ही जा रहे हैं, फास्टिंग में भी अति के प्रकार हैं, फोन पर चिपके हैं तो बस स्क्रीन के हो गए। बेपरवाह, बेलगाम, बेसब्र और बेबाक। इसलिए गीतकारों को भी 'बदतमीज दिल' को महिमामंडित करने में संकोच नहीं हुआ। लेकिन जीवन-दर्शन हमें आगाह कराना चाहता है कि किताबों पर जिल्द, पेड़ों पर पत्ते, शरीर पर कपड़े, घरों में पर्दे, आचरण में मर्यादा, भाषा में भद्रता और मनुष्य में मूल्य अच्छे लगते हैं। और मॉडरेशन ही वह संयमित समाज बनाता है, जो उस आत्म-नियंत्रण, उस प्रतिबंध, उस संतुलन को हमेशा बनाए रखता है। क्या आपको भी ऐसा लगता है कि हम आज ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां हमारी जीवनशैली में, खुद को व्यक्त करने के तरीके में, एक सुचिंतित संयम की जरूरत है? मॉडरेशन न तो बेस्वाद तटस्थता है और न ही हमेशा खुद को चीजों से दूर रखना; यह चीजों का पूरा आनंद लेने की क्षमता है, बिना उनके गुलाम बने। इसकी जरूरत इसलिए है, क्योंकि हर बात पर अति की ओर बढ़ना समाज के लिए शुभ नहीं। घर हो या बाहर, व्यक्ति की अभिव्यक्ति में मध्य-मार्ग की जगह बनती है। लेकिन सबको अपनी सुनाने की पड़ी है। सामने वाला अपनी अति छोड़ना नहीं चाहता। अगर कोई किसी एक विचारधारा को मानता है तो दूसरी विचारधारा वाले अस्पृश्य हो जाते हैं। क्या बड़े, क्या बच्चे- सभी अति को ही सही मान रहे हैं। आज मॉडरेशन या संयम की जरूरत विचारों में है, अभिव्यक्ति में है, सम्प्रेषण के हर पक्ष में है। खान-पान और जीवन-शैली में है। पसंद-नापसंद में है। पैसा होने और सामान इकट्ठा करने की आदत में है। खुशी को अनैतिक तरीके से अभिव्यक्त करने से बचने में है। उस जानकारी के नोटिफिकेशन को सीमित करने में है, जिसकी जरूरत नहीं पड़ती। आराम में है।

स्क्रीन-टाइम में है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिक्रिया में है। उस हर आचरण में है, जो समाज में सकारात्मकता और संतुलन की संभावनाएं बनाए रखने में मदद करता है। न भूलें कि जिन देशों ने अपने नागरिक-व्यवहार को प्राथमिकता दी, उनके नेतृत्व ने समाज की संस्थाओं को संयम के इर्द-गिर्द ही रखा है।आखिर हम सभी सिर्फ ग्राहक या एआई तो नहीं हैं, इंसान हैं और इस दुनिया को तमाम तरह की चुनौतियों और कठिनाइयों से तभी बचाया जा सकता है,जब नागरिकों में अतियों से बचने का बोध हो- इस भाव के साथ कि मिला हुआ जीवन अपने आप में कभी कम नहीं होता। (ये लेखक के अपने विचार हैं,नंदितेश निलय)

हिरासत व गिरफ्तारी में फर्क को खत्म करना न्याय के लिए जरूरी

सुप्रीम कोर्ट के जज उज्ज्वल भुयान की पीठ के नए फैसले के अनुसार हिरासत में लेने के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश



करना जरूरी है। 24 घंटे की यह समय-सीमा व्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक लगने से ही शुरू हो जाती है, न कि औपचारिक गिरफ्तारी पर। इस फैसले पर अमल हुआ तो आरोपी से पूछताछ, जांच, तलाशी, जब्ती में लगा समय भी 24 घंटे की हिरासत अवधि में शामिल रहेगा। इससे जुड़े 4 कानूनी पहलुओं को समझना जरूरी है : 1. त्रिपुरा में ड्रग्स के कारोबार से जुड़े उक्त मामले में एनडीपीएस कानून के तहत कार्रवाई की गई थी। ऐसे मामलों में माल की बरामदगी, पंचनामा और बयान दर्ज करना जांच एजेंसियों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है। नए फैसले के अनुसार अब मजिस्ट्रेट को हिरासत की तारीख और समय को अपने आदेश में दर्ज करना होगा। ओडिशा, मद्रास और केरल हाईकोर्ट के पुराने फैसलों में औपचारिक गिरफ्तारी से पहले की हिरासत की अवधि को 24 घंटे की समय-सीमा से बाहर रखने की अनुमति दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के जजों के अनुसार हाईकोर्ट के पुराने फैसले संविधान के अनुच्छेद 22(2) और बीएनएसएस की धारा 56 के खिलाफ हैं, जो गिरफ्तार व्यक्ति को पुलिस की मनमानी हिरासत से बचाने का कानूनी कवच प्रदान करते हैं। लेकिन फैसला दो जजों की पीठ ने दिया है। ऐसे मामलों में पांच जजों की संविधान पीठ के फैसले उनकी न्यायिक स्वीकार्यता को बढ़ाते हैं। 2. इस फैसले में निरंजन सिंह मामले में जस्टिस कृष्णा अय्यर के चार दशक पुराने फैसले और डीके बसु की संविधान पीठ के फैसले का जिक्र है। सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों के अनुसार रिमांड के मामलों में तर्कसंगत आदेश पारित करने के बजाय मजिस्ट्रेट यंत्रवत तरीके से आरोपी को जेल भेज देते हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के 2023 के आंकड़ों के अनुसार जेलों में बंद 5.3 लाख लोगों में 3.9 लाख विचाराधीन कैदी थे। 2023 में 150 से ज्यादा विचाराधीन कैदियों की जेल में मृत्यु हो गई। संविधान के प्रावधान पुलिस के साथ अदालतों पर भी लागू होते हैं। बेवजह जेल और न्यायिक हिरासत में मृत्यु के मामलों में विलम्ब के लिए जजों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए। 3. नागरिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट के अनेक फैसले हैं। गलत गिरफ्तारी के लिए जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों से हर्जाना वसूल होना चाहिए। जमानत की अर्जी को 2 सप्ताह और अग्रिम जमानत की अर्जी को 6 सप्ताह में निपटाना जरूरी है। जमानत की शर्त पूरा करने में असमर्थ विचाराधीन कैदियों का पता लगाकर उन्हें राहत देनी भी जरूरी है। जजों ने इस फैसले की प्रति को सभी हाईकोर्ट और राज्यों के डीजीपी के पास भेजने का आदेश दिया है। हिरासत और गिरफ्तारी के फर्क को खत्म करने वाले इस फैसले पर अमल करने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, एनडीपीएस और दूसरे अनेक कानूनों में संसद से बदलाव करना जरूरी होगा। 4. बेवजह व गलत गिरफ्तारी जीवन की स्वतंत्रता के संवैधानिक हक पर प्रहार है। निरीह जनता के लिए यह जीवनभर का नासूर है। इसे रोकने के लिए विधि आयोग व सुप्रीम कोर्ट ने लाखों पन्ने लिख दिए, लेकिन धरातल पर अमल नहीं होता। संविधान के अनुच्छेद 141 के तहत सुप्रीम कोर्ट के फैसले बाध्यकारी हैं। इनका जिला अदालतों और हाईकोर्ट में पालन नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। गलत गिरफ्तारी रोकने कानून के चक्के को सही रास्ते पर चलाने की जरूरत है। खतरनाक अपराधी जेल में रहें और मामूली मामलों में गिरफ्तार लोगों को जल्द जमानत और रिहाई मिले। इस आशय के फैसले फाइलों और किताबों में ही कैद ना रहें। गलत गिरफ्तारी का हर मामला सर्वोच्च न्यायपालिका की अवमानना है। खतरनाक अपराधी जेल में रहें और मामूली मामलों में गिरफ्तार लोगों को जल्द जमानत और रिहाई मिले- न्याय की यह भावना कहीं सरकारी फाइलों और कानून की किताबों में ही कैद होकर ना रह जाए, इस पर अमल भी हो। (ये लेखक के अपने विचार हैं,विराग गुप्ता)

त्योहारों के दौरान स्कूल और पैरेंट्स बच्चों का रीजनल नॉलेज बढ़ा सकते हैं

मुझे आज भी वह दृश्य अच्छे-से याद है। वह आंटी प्रार्थना कर रही थीं और जोर से बोलीं, 'मां दुर्गा, कृपया मेरे परिवार की रक्षा करना।' मैंने तुरंत उनका पल्लू खींचा और कहा कि 'आंटी, इस अवतार में इन्हें मां काली कहते हैं।' मेरे बगल में खड़ीं मां ने चुप कराने के लिए मेरे सिर पर मार दिया। आंटी कुछ सेकंड तक मुझे देखकर मुस्कराईं और फिर अपनी प्रार्थना करने लगीं। लेकिन इस बार उन्होंने 'मां काली' कहा। हममें से ज्यादातर लोगों को देवी का वह लोकप्रिय रूप याद होगा, जिसमें उन्हें मुंडमाला पहने और रक्त-रंजित जीभ बाहर निकाले हुए दिखाया जाता है। उस पंडाल में देवी इसी अवतार में थीं। बाहर आकर मां ने पूछा, 'काली क्यों?' मैंने कहा कि 'घोष टीचर ने बताया था कि बंगाल में इस अवतार को मां काली कहते हैं और दीपावली की रात उनकी भी पूजा होती है। शाक्त परंपरा में महाकाली को ताकतवर राक्षस रक्तबीज का संहार करने वाली देवी के रूप में दिखाया गया है। उत्तर प्रदेश के विंध्याचल में 'त्रिकोण परिक्रमा' के एक अभिन्न हिस्से के रूप में भी मां काली की पूजा की जाती है।' उस अनजान महिला ने मेरे सिर पर हाथ फेरा और मेरी तारीफ की। पहली बार मैंने मां को आश्चर्य से आंखें फैलाकर मेरी बात सुनते देखा। इसका श्रेय नागपुर के हमारे स्कूल सरस्वती विद्यालय को जाता है, जहां त्योहारों की छुट्टियों से ठीक पहले जनरल नॉलेज की कक्षाएं लगती थीं। दशहरा भी इसका अपवाद नहीं था। ये कक्षाएं खासतौर पर दिलचस्प होती थीं, क्योंकि अलग-अलग क्षेत्रों में देवी के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है और हर रूप के साथ वहां की एक स्थानीय कहानी जुड़ी होती है। अलग-अलग राज्यों से आए हमारे शिक्षक अपने-अपने क्षेत्रों की लोककथाएं जुटाते और उन्हें जीके की विशेष कक्षा में साझा करते थे। वे बारी-बारी से ये कहानियां सुनाते थे और कभी-कभी उन्हें जीवंत बनाने के लिए तस्वीरों का भी इस्तेमाल करते थे। कुछ कहानियों में बताया जाता था कि



द्वारा बारिश कराए जाने, बीमारियां ठीक करने या पारिवारिक परेशानियां दूर करने की कहानियां होती थीं। इनमें सबसे दिलचस्प कहानियां 'ग्राम देवी' की होती थीं, जिनके बारे में मान्यता है कि वे स्थानीय समुदाय की रक्षा करती थीं। तमिलनाडु के मंदिरों के शहर कुंभकोणम में हमारे गांव में उन्हें 'मारी-अम्मन' के रूप में पूजा जाता है। यहां अम्मन का अर्थ मां और मारी का मतलब बारिश है। आज भी जब मैं कुंभकोणम जाता हूं, तो मारी-अम्मन मंदिर को अपने यात्रा कार्यक्रम में शामिल करना नहीं भूलता। क्योंकि माना जाता है कि वे हमारे गांव की रक्षा करती हैं। ऐसी मान्यता है कि उनकी प्रार्थना करने से न सिर्फ हमारे बच्चे बीमारियों से बचे रहते हैं, बल्कि पुराने दिनों में इससे स्मॉल पॉक्स जैसी खतरनाक बीमारियां भी ठीक हो जाती थीं। इसके बाद शिक्षकों ने हमें महाराष्ट्र की देवी के बारे में बताया। स्कंद पुराण के अनुसार धाराशिव स्थित तुलजा भवानी को 'त्वरिता भवानी' के नाम से जाना जाता था। इसमें बताया गया है कि भक्तों के आग्रह पर देवी ने महिषासुर का वध किया था। कालान्तर में 'त्वरिता' शब्द 'तुलजा' बन गया। इतिहास के अनुसार, वे छत्रपति शिवाजी महाराज की भी कुल देवी थीं। यह जानना दिलचस्प था कि दुर्गा और गरबा जैसे कई शब्दों के पीछे भी कहानियां हैं। दुर्गा का अर्थ अजेय या दुर्गम हो सकता है। 'अजेय' का अर्थ है जिसे हराया या जीता न जा सके। 'दुर्गम' का अर्थ है ऐसी जगह, जहां पहुंचना मुश्किल हो। यही वजह है कि गुजरात में गिरनार की ऊंची चोटियों पर स्थित मां के मंदिरों तक पहुंचना आसान नहीं है। वहां अधिष्ठात्री देवी अंबाजी के रूप में मां की पूजा होती है और उनके इस स्थान को 'दुर्गम' कहा जाता है, यानी ऐसी जगह जहां पहुंचना कठिन हो। छेद वाले मिट्टी के घड़े में जलता हुआ दीपक रखकर उसके चारों ओर किए जाने वाले गरबा नृत्य का नाम 'गर्भ' शब्द से पड़ा है। यह अंबाजी के गर्भ का अमूर्त रूप है। हिमाचल प्रदेश में देवी की पूजा बेहद लोकप्रिय है। वहां ग्राम देवी को समुदाय के मुखिया के रूप में माना जाता है। हिमाचल प्रदेश में कई शक्तिपीठ भी हैं। फंडा यह है कि बच्चों के साथ दशहरा पंडालों में जाते समय पैरेंट्स उन्हें ऐसी कहानियां सुनाएं या स्कूल जनरल नॉलेज कक्षाओं के जरिए उन्हें हमारे क्षेत्रीय रीति-रिवाजों के बारे में जागरूक करें। इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सकेगा। एन. रघुरामन

विदेशों में आजकल फुटपाथ की भी 'आंखें' होती हैं

शिकागो के एक छोटे-से बोडेगा (किराना दुकान) की हरी रोशनी गीले डामर पर फैल रही थी। मार्कस (काल्पनिक नाम) ने अपनी घड़ी देखी। वह पूरे चालीस मिनट से



उस सड़क पर बेचैनी के साथ नजर रखे हुए था, जहां पहली दुकान के पास वह खड़ा था और सातवीं दुकान तक उसे पहुंचना था। वहां न पुलिस की गाड़ियां थीं, न पैदल गश्त करने वाले जवान और न ही अंडरकवर एजेंट्स। वह पूरा ब्लॉक उसका था। उसने चेहरे का निचला हिस्सा छिपाने के लिए कॉलर ऊपर चढ़ाया और काला चश्मा पहन लिया। फिर बाहर निकलकर उसने जानबूझकर लंगड़ाने का स्वांग किया। यह भ्रम पैदा करने की एक बेजोड़ तरकीब थी। ऊपर लगे कैमरों को उसके कपड़ों के सिवा कुछ नहीं दिख रहा था और चाल-ढाल का विश्लेषण करने वाले एल्गोरिदम उसे किसी अनजान व्यक्ति के रूप में ही दर्ज करते। मार्कस ने सिर झुकाए रखा और उसकी नजरें सड़क पर पड़ी दरारों पर टिकी रहीं। उसने अपने ईयरपीस का बटन दबाया और फुसफुसाया, 'मैं अब निकल रहा हूं। मेरे वहां से निकलने तक किसी बाहरी आदमी को अंदर मत आने देना।'वह बेहद तेजी से आगे बढ़ा। सातवीं दुकान तक पहुंचने में उसे ठीक एक मिनट लगा। लेकिन इसके तीन मिनट बाद ही वह स्ट्रीट लाल और नीली बत्तियों से जगमगा उठी। मार्कस अपने औजारों का बैग निकालने के लिए हाथ बढ़ा भी नहीं पाया था कि उसकी कलाइयों पर हथकड़ियां कस दी गईं। पुलिस लॉकअप में बैठा मार्कस उस एक मिनट की अपनी चहलकदमी को बार-बार याद कर रहा था। वहां सादे कपड़ों में कोई पुलिसकर्मी नहीं था, न कोई गवाह। उसने सिर झुकाकर रखा था और अपने सहयोगी से बात करते हुए डामर पर ही नजरें टिकाए रखी थीं। फिर पुलिस को खबर किसने दी? उसके स्वांग का भेद खोलकर उसे किसने पहचान लिया था? तभी उसे एक अजीब-सी बात याद आई। रास्ते में वह प्लास्टिक के एक छोटे-से डिब्बे से बचकर निकला था। वह चार पहियों वाला एक फूड डिलीवरी रोबोट था, जो बर्गर का ऑर्डर लेकर फुटपाथ पर धीरे-धीरे डोलता हुआ आगे बढ़ रहा था। जल्दबाजी में उसके पास से निकलते हुए मार्कस ने उसे गाली भी दी थी। अचानक जैसे उसके दिमाग में बिजली कौंधी। तो क्या वह रोबोट ही मुखबिर था! ऊपर लगे कैमरों से बचने के लिए सिर झुकाकर चलने के फेर में उसने सीधे फुटपाथ पर चलने वाले उस रोबोट के लो-एंगल नेविगेशन कैमरों में देख लिया था। मशीन से कुछ ही फीट ऊपर बड़बड़ाने से उसकी भारी, खुरदरी आवाज भी रोबोट के उच्च-गुणवत्ता वाले माइक्रोफोन में रिकॉर्ड हो गई थी। रोबोट के एआई ने ऑडियो का विश्लेषण किया, स्थानीय पुलिस के वांछित अपराधियों के रिकॉर्ड से उसकी आवाज का मिलान किया और उसके को-ऑर्डिनेट्स निकटतम पुलिस थाने को भेज दिए। एक टैको डिलीवरी ने उसकी पहचान उजागर कर दी थी! मार्कस की कहानी भले ही फिल्मों के लिए भविष्य की कोई फिक्शनल स्टोरी हो, लेकिन यह टेक्नोलॉजी दुनिया के कुछ बड़े शहरों की सड़कों पर पहले ही घूम रही है। इलिनॉय में चल रही एक तीखी कानूनी लड़ाई हमें यह सवाल पूछने पर मजबूर कर रही है कि ये सुविधाजनक छोटी मशीनें हमारी मददगार हैं या गुप्त मुखबिर? इस सप्ताह शिकागो की कुक काउंटी में दायर मुकदमों में कोको रोबोटिक्स और सर्व रोबोटिक्स निशाने पर हैं। ये दोनों इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां हैं और इनके स्वचालित रोबोट्स, अर्बन फूड डिलीवरी का आम दृश्य बन चुके हैं। मुकदमों में आरोप लगाया गया है कि ये रोवर्स बिना किसी की सहमति के अपने कैमरों और लाई-डीएआर सेंसरों की मदद से ग्राहकों के चेहरे, हाथ और बायोमेट्रिक्स को चुपचाप स्कैन करते रहते हैं। दोनों कंपनियों ने इन आरोपों का दृढ़ता से खंडन किया है। आरोपों में दावा किया गया है कि इस तरह जुटाए गए डेटा का इस्तेमाल कंपनियों के अपने एआई मॉडल्स को प्रशिक्षित करने और उन्हें सर्विस देने वाली थर्ड पार्टियों के साथ साझा करने के लिए किया जाता है। कंपनियों का कहना है कि रोबोट में लगे सेंसरों का इस्तेमाल केवल ऑपरेशनल कार्यों के लिए होता है, जैसे दूरी का आकलन करना, रास्ते में आने वाली बाधाओं से बचना और मनुष्यों या आवारा पशुओं के हस्तक्षेप के बिना शहर के फुटपाथों पर सुरक्षित ढंग से चलते रहना। उनका दावा है कि उनके सिस्टम्स स्थायी बायोमेट्रिक्स प्रोफाइल नहीं बनाते, न ही किसी की निगरानी या पहचान करते हैं। फिर भी, यह कानूनी टकराव निजता की बहस के एक नए और चिंताजनक आयाम को उजागर करता है। जैसे-जैसे स्वचालित मशीनें हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सहजता से घुलती-मिलती जा रही हैं, सार्वजनिक सुविधा और व्यापक निगरानी के बीच की रेखा भी धुंधलाती जा रही है।

फंडा यह है कि दीपावली की इन छुट्टियों में अगर आप विदेश जाएं, तो याद रखें कि साइड-वॉक्स की भी आंखें होती हैं। और अगली बार जब आप सड़क पर चार पहियों वाले किसी प्यारे-से रोबोट को डगमगाते हुए खाना पहुंचाते देखें और उसे देखते हुए ऊंची आवाज में कुछ कहें, तो यह भी हो सकता है कि वह आपके बारे में नोट्स ले रहा हो! एन. रघुरामन

पीछे लौटकर नगद भुगतान के दौर में जाना अब मुमकिन नहीं

वित्तीय क्षेत्र में डिजिटलीकरण के माध्यम से हमें कई सुविधाएं मिली हैं। इसके कारण ही क्लाइंटों के खाते मेंटेन करने, उनके लेन-देन का हिसाब रखने, उन्हें विभिन्न वित्तीय उत्पाद ऑनलाइन देने, उनके खाते अपडेट रखने और डिजिटल लेनदेन को सक्षम बनाने जैसे बैंकिंग कार्य आसान हुए हैं। इसका उद्देश्य डिजिटल ट्रांसफर के जरिए कम नकदी की जरूरत वाली व्यवस्था की ओर बढ़कर वित्तीय संस्थानों के कामकाज को सरल बनाना भी था। अंतरराष्ट्रीय मनी ट्रांसफर की सुविधा भी डिजिटल माध्यम से उपलब्ध कराई गई, ताकि ग्राहकों को बैंकों तक जाने की जरूरत न पड़े। इससे लगभग 9 हजार बैंक शाखाओं को बंद करने या मर्ज करने और इतनी ही शाखाओं को ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ाने में मदद मिली। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि करंसी नोट छापने की जरूरत कम हो गई। ये सारे प्रयास वित्तीय संस्थानों के कामकाज में बदलाव लाने, उनमें लोगों की आवाजाही कम करने और आमने-सामने की मुलाकातें घटाने के लिए किए गए थे। इसके बाद मोबाइल बैंकिंग को बढ़ावा मिला, जिसने यूपीआई को सम्भव बनाया। वित्तीय संस्थानों ने अपनी कारोबारी प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया। और हां, इस व्यवस्था की अपनी एक लागत भी है। फिर डाकघरों और सहकारी बैंकों का भी डिजिटलीकरण हुआ और सारे वित्तीय संस्थानों के भीतर और उनके बीच के लेनदेन के डिजिटल फुटप्रिंट तैयार होने लगे। फिनटेक की टेक्नोलॉजी की लागत, मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) और क्रेडिट कार्ड की पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों ने वित्तीय संस्थानों को खुदरा लेन-देन में सक्षम बनाया। इससे डिजिटल भुगतान अंतिम छोर तक पहुंच गया। लेकिन अब बहस का मुद्दा यह है कि वित्तीय संस्थानों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण पर जो खर्च हुआ- जिसका लाभ अंततः उपभोक्ता तक ही पहुंचा है- उसकी लागत कौन वहन करे? इस लागत को खर्च के रूप में दर्ज किया जाता है और इसलिए इसकी पूरी भरपाई भी होनी है। लेकिन इस प्रक्रिया में उस भारी बचत को अनदेखा किया जा रहा है, जो करंसी नोट छापने की जरूरत घटने, खातों को अपडेट रखने में आसानी होने, क्लाइंटों से आमने-सामने मिलने की आवश्यकता घटने आदि सुविधाओं से हुई है। इन सबने पारदर्शिता बढ़ाई है और रीयल-टाइम अपडेट आसान हुआ है। इस सबसे रिजर्व बैंक समेत अन्य वित्तीय संस्थानों को भारी बचत हुई है। इसलिए इस व्यवस्था को बाधित करने के बजाय यह जरूरी है कि इस लागत को आरबीआई और बैंकिंग संस्थान स्वयं वहन करें।

बांग्लादेश में हिंसा- 24 घंटे में 22 वाहन फूंके, ट्रेन का कोच भी जलाया,पूर्व पीएम हसीना की वापसी के ऐलान पर तनाव

ढाका। तब एक स्थानीय बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी में तोड़फोड़ की और उसे आग लगा दी। काशियानी और गोपालगंज



(बीएनपी) कार्यालय के बाहर लगे कई बैनर और सजावटी पट्टियां तोड़ दी गईं। पुलिस ने जुलूस रोकने की कोशिश की तो झड़प शुरू हो गई। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, इसमें कम से कम 10 लोग घायल हुए। टुंगीपाड़ा थाने के प्रभारी अधिकारी अयूब अली ने बताया कि कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पुलिस की गाड़ी शहर के कई इलाकों में भी सड़क जाम किए जाने की खबरें आईं। पुलिस बोली- पैसे देकर लोगों से हमले कराए जा रहेः-पुलिस ने इन हमलों के पीछे शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के लोगों का हाथ होने का शक जताया है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि जांच अभी शुरुआती दौर में है। अख्तर हुसैन ने बताया कि जांच में ऐसे संकेत मिले हैं कि कुछ लोगों को पैसे देकर हमले करने के लिए तैयार किया गया था। अवामी लीग ने पुलिस के आरोपों को खारिज किया है। पार्टी के प्रवक्ता मोहम्मद अली आराफात ने दावा किया कि विरोधी गुट पार्टी को बदनाम करने और हमलों का आरोप उस पर डालने के लिए ये घटनाएं करवा रहे हैं। बांग्लादेश में जून 2024 में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ छात्र आंदोलन शुरू हुआ था। हाईकोर्ट ने 1971 की आजादी की लड़ाई में शामिल स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों और पोते-पोतियों को सरकारी नौकरियों में 30ङ्क आरक्षण देने का फैसला सुनाया था।

छात्रों ने इसका विरोध किया। उनकी मांग थी कि सरकारी नौकरियों में भर्ती आरक्षण के बजाय योग्यता के आधार पर हो। जुलाई में प्रदर्शन तेज हो गए। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। पुलिस पर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने और जरूरत से ज्यादा बल इस्तेमाल करने के आरोप लगे।

एलओसी पर पाक ने 50 एंटी ड्रोन यूनिट लगाईं,इनमें ज्यादातर पीओके में,ऑपरेशन सिंदूर के बाद स्ट्रैटजी बदली

कश्मीर।यूएवी कोर बनाने की दिशा में बढ़ रहा पाकः- है।मई में पाकिस्तान के रक्षा उत्पादन मंत्रालय ने रावलपिंडी सिस्टम 'बाइदो' का भी सहारा लिया है। यह अमेरिकी जीपीएस की तरह काम करने वाला चीन का ग्लोबल सैटेलाइट नेविगेशन नेटवर्क है। पाकिस्तान ने 2020 में इसे अपनाया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच नेविगेशन तकनीक, प्रशिक्षण और ग्राउंड आधारित सपोर्ट सिस्टम पर सहयोग बढ़ा। पाकिस्तान के सैन्य नेविगेशन और टारगेटिंग सिस्टम में बाइदो का इस्तेमाल हो रहा है। इसका दायरा सैन्य ड्रोन, जेएफ-17 लड़ाकू विमानों, मिसाइल गाइडेंस और नौसैनिक प्रणालियों तक बताया गया है। बाइदो से ड्रोन अपनी भौगोलिक स्थिति (जियो लोकेशन) पता लगा सकते हैं और पहले से निर्धारित रास्तों पर उड़ान भर सकते हैं। बाइदो लक्ष्य तक पहुंचने और नेविगेशन की सटीकता बढ़ाने में भी मदद करता है। ये अमेरिकी जीपीएस पर निर्भरता को कम करता है।



पाकिस्तान की सेना ड्रोन युद्ध के लिए अलग यूएवी (अनमैन्ड एरियल वीकल) कोर बनाने की दिशा में काम कर रही है। इसके तहत ड्रोन संचालन, प्रशिक्षण, तकनीकी विकास और सैन्य अभियानों में इनके इस्तेमाल को संस्थागत रूप देने की तैयारी में प्राइवेट सेक्टर की ड्रोन बनाने वाली कंपनियों के साथ बैठक की थी। पाक के ड्रोन को गाइड कर रहा चीन का बाइदो नेविगेशनः-पाकिस्तान ने अपने सैन्य ड्रोन और मिसाइलों की नेविगेशन क्षमता बढ़ाने के लिए चीन के सैटेलाइट नेविगेशन

सोनिया गांधी ने लिखी किताब में बताया-ऑपरेशन ब्लू स्टार क्यों हुआ,गोल्डन टेंपल में चल रही थी खालिस्तान की प्लानिंग

लुधियाना/नयी दिल्ली। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉनिंगः ए जर्नी ऑफ लव' चर्चा में आ गई। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में ऑपरेशन ब्लू स्टार के कारणों का खुलासा किया। किताब के 16वें चैप्टर में सोनिया गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार का जिक्र किया और कहा कि भिंडरावाले की अगुआई में गोल्डन टेंपल में 1982 से खालिस्तान बनाने की प्लानिंग चल रही थी और 15 अगस्त 1984 को खालिस्तान की घोषणा की जानी थी। इंदिरा गांधी को जैसे ही खुफिया तंत्र से यह जानकारी मिली तो उन्होंने 4 जून को ऑपरेशन ब्लू स्टार लॉन्च किया और भारत को तोड़ने की प्लानिंग को खत्म किया। उन्होंने लिखा कि इस ऑपरेशन में सिखों के सबसे पवित्र स्थल गोल्डन टेंपल को भारी नुकसान पहुंचा जो कि बेहद पीड़ादायक था।

सोनिया गांधी ने किताब के 16वें चैप्टर में कई अहम बातें लिखी हैं, जिसमें ऑपरेशन ब्लू स्टार की तस्वीरें देखकर इंदिरा गांधी के परेशान होने की बात भी लिखी है। सोनिया गांधी ने लिखा है कि देश की अखंडता के लिए यह स्टेप उठाना जरूरी थी। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में पंजाब के राजनीतिक संकट की जड़ें बताते हुए लिखा है कि आजादी के बाद शिरोमणि अकाली दल ने भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की मांग को लेकर कई आंदोलन चलाए।

1966 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पंजाब का पुनर्गठन कर हरियाणा और हिमाचल प्रदेश अलग राज्य बनाए। इस फैसले की पंजाब में सराहना हुई, लेकिन अन्य विवादित मुद्दों पर अकाली दल के प्रदर्शन जारी रहे। इसी उथल-पुथल के दौर में जरनैल सिंह भिंडरावाले का उभार हुआ। सोनिया गांधी की किताब के मुताबिक, भिंडरावाला ने एक हिंसक अलगाववादी आंदोलन का नेतृत्व किया, जिसका मुख्य लक्ष्य हिंदू और सिख समुदायों के बीच ध्रुवीकरण पैदा करना था। इस आंदोलन में पाकिस्तानी



खुफिया एजेंसियों ने घुसपैठ कर ली थी। पाकिस्तान की मंशा पंजाब में हिंसा और तबाही फैलाकर हिंदुओं का बड़े पैमाने पर पलायन कराने की थी, ताकि पंजाब को भारत से अलग किया जा सके। उस दौर में पंजाब में बम विस्फोट, हत्याएं और बसों के अपहरण की घटनाएं आम बात बन गई थीं। गोल्डन टेंपल में 'समानांतर सरकारः- सोनिया गांधी ने लिखा है कि 1982 में भिंडरावाले ने अमृतसर स्थित सिखों के सबसे पवित्र स्थल गोल्डन टेंपल (हरमिंदर साहिब) में अपना ठिकाना बना लिया। वहां विवादों के निपटारे के लिए अपनी न्यायिक प्रणाली स्थापित कर एक समानांतर सरकार चलानी शुरू कर दी, जहां से फरमान और हिट लिस्ट जारी की जाती थीं। गोल्डन टेंपल परिसर के भीतर पिस्तौल, कलाश्निकोव (एके-47) से लेकर मोर्टार तक जमा किए जाने लगे और पवित्र धार्मिक स्थल को समय के साथ एक मजबूत सशस्त्र किले में बदल दिया गया। भिंडरावाले के दस्तों ने उसकी राजनीति का विरोध करने वाले सिखों और हिंदुओं की व्यवस्थित हत्याएं शुरू कर दीं। 15 अगस्त 1984 को फहराना था खालिस्तान का झंडा-सोनिया ने किताब में दावा किया कि जनवरी 1984 में गोल्डन टेंपल परिसर के बाहर एक इमारत पर खालिस्तानी झंडा फहराया गया था। इसके बाद खुफिया तंत्र ने इंदिरा गांधी को अत्यंत संवेदनशील और चौंकाने वाली जानकारी दी। रिपोर्ट्स के अनुसार, भिंडरावाले और उसका गुट 15 अगस्त 1984 को हरमंदर साहिब से स्वतंत्र देश 'खालिस्तान' की आधिकारिक घोषणा करने और उसका झंडा फहराने की पूरी तैयारी में थे। यह कदम सीधे तौर पर देशद्रोह और भारतीय संघ के खिलाफ युद्ध की घोषणा के समान था। सोनिया गांधी की किताब के अनुसार, इंदिरा गांधी सिख भावनाओं को आहत होने से बचाने के लिए किसी भी कठोर सैन्य कार्रवाई से लगातार बचती आ रही थीं। किताब में लिखा है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार 1 जून 1984 को शुरू हुआ और 4 जून को भारतीय सेना गोल्डन टेंपल परिसर में दाखिल हुई। सुरक्षा बलों के अनुमान से कहीं अधिक परिसर को भारी हथियारों से किलेबंद किया गया था। दोनों ओर से हुए भारी नुकसान और भीषण गोलीबारी के बाद सेना ने पवित्र स्थल पर नियंत्रण पाया। इस सैन्य कार्रवाई के दौरान गोल्डन टेंपल परिसर को भारी क्षति पहुंची, जिसे सिख समुदाय ने अपनी आस्था पर गहरा आघात और अपवित्रता के रूप में देखा। सोनिया गांधी ने लिखा है कि ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद इंदिरा गांधी पर जानलेवा हमले का खतरा अत्यधिक बढ़ गया था। सोनिया गांधी ने लिखा कि एक शाम इंदिरा गांधी ने राजीव और सोनिया को अपने स्टडी रूम में बुलाकर जानकारी दी कि पूर्व खुफिया प्रमुख एम.के. काओ ने उनके बच्चों (राहुल और प्रियंका) के अपहरण की आशंका जताई है। सुरक्षा खतरों को देखते हुए राहुल और प्रियंका को उनके बोर्डिंग स्कूलों से तुरंत वापस बुला लिया गया और बड़ी मुश्किल से दिल्ली के स्कूलों में दाखिला कराया गया। इससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई, लेकिन इस फैसले से उन्हें अपनी दादी इंदिरा गांधी के जीवन के अंतिम दो महीनों में उनके साथ बहुमूल्य समय बिताने का मौका मिला।

एनसीपी के दोनों गुटों के विलय पर फिर अड़चन,सुनेत्रा और पार्थ पवार की सहमति नहीं,एनडीए में जाने पर भी मतभेद

नयी दिल्ली/मुंबई। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के दोनों गुटों के विलय पर फिर अड़चन आ गई है। शरद पवार और दोनों गुटों के नेताओं के बीच हाल में हुई मुलाकातों



से विलय की चर्चा फिर तेज हुई है। हालांकि, सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ पवार तत्काल विलय के पक्ष में नहीं बताए जा रहे हैं। पार्टी में नेतृत्व, संगठन पर नियंत्रण और भविष्य में किस गठबंधन के साथ रहने को लेकर भी मतभेद हैं। मुंबई में शरद पवार के आवास सिल्वर ओक पर दोनों गुटों के नेताओं की मुलाकातों के बाद विलय की अटकलें तेज हुईं थीं। अजित पवार के बेटे और राज्यसभा सांसद पार्थ पवार ने लगातार दो दिन शरद पवार से मुलाकात की। दोनों बैठकें करीब दो-दो घंटे चलीं। सुनील तटकरे बोले- अजित पवार के निधन के चलते विलय टलाः- एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने पहले कहा था कि दोनों गुटों के बीच विलय को लेकर बातचीत हुई थी। अजित पवार ने इसके लिए एक रूपरेखा और विजन भी बताया था।

तटकरे के मुताबिक, अगर अजित पवार जीवित होते तो दोनों गुटों का विलय 12 फरवरी को पूरा हो गया होता। उन्होंने यह भी कहा था कि अजित पवार की अचानक मौत के बाद प्रक्रिया रुक गई, लेकिन बातचीत जारी रही। हालांकि, बाद में तटकरे ने कहा कि विलय पर अंतिम फैसला सुनेत्रा पवार और शरद पवार ही लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें नहीं पता कि फिलहाल विलय पर चर्चा हो रही है या नहीं। पार्थ के फैसलों से पार्टी के वरिष्ठ नेता नाराजः- सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी गुट में भी संगठन को लेकर मतभेद सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पार्थ पवार के संगठनात्मक फैसलों में बढ़ते दखल से पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता नाराज हैं। पार्थ ने जीशान सिद्दीकी को मुंबई शहर अध्यक्ष और उमेश पाटिल को मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया था। इन नियुक्तियों को लेकर पार्टी के अनुभवी नेताओं ने आपत्ति जताई। सुनेत्रा पवार के सरकारी आवास देवगिरी में हुई कोर कमेटी की बैठक में भी पार्थ की कार्यशैली पर सवाल उठाए गए।

करीब चार महीने बाद हुई एनसीपी विधायकों की बैठक से पहले यह चर्चा हुई थी। कुछ वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि अहम फैसले अनुभवी नेताओं से सलाह लिए बिना किए जा रहे हैं। अमित शाह से एनसीपी नेताओं की मुलाकात ने बढ़ाई चर्चा करीब दो हफ्ते पहले एनसीपी के वरिष्ठ नेता दिलीप वळसे पाटिल, छगन भुजबल, सुनील तटकरे और धनंजय मुंडे ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इस बैठक में सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ व जय पवार शामिल नहीं थे। यही नेता इससे पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी मिले थे। बैठक में अजित पवार के पास रहा वित्त विभाग एनसीपी को वापस देने का मुद्दा भी उठा था। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा नेतृत्व ने यह विभाग एनसीपी को लौटाने की इच्छा जताई थी। शरद पवार को एनडीए के करीब लाने की भी चर्चा रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेता शरद पवार को एनडीए के करीब लाने की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, दिल्ली में इस विषय पर बातचीत हुई है। भाजपा के कुछ नेताओं का मानना है कि शरद पवार का राजनीतिक प्रभाव और अलग-अलग दलों के नेताओं से उनके संबंध राष्ट्रीय राजनीति में असर डाल सकते हैं। इससे विपक्षी गठबंधन इंडिया को कमजोर करने और एनडीए का समर्थन बढ़ाने की संभावना भी देखी जा रही है। इन राजनीतिक समीकरणों में सुप्रिया सुले को केंद्र में मंत्री पद देने की संभावना पर भी चर्चा होने की बात रिपोर्ट में कही गई है। एक अन्य विकल्प यह है कि एनसीपी के दोनों गुटों का औपचारिक विलय किए बिना ही वे अलग-अलग एनडीए को समर्थन दें।

44डिग्री तापमान में जवान के बेहोश होने के बाद फैसला- एनएसजी कमांडो की यूनिफॉर्म बदलेगी 5 राज्यों में चुनाव से पहले मिल सकती है नई वर्दी

नयी दिल्ली। ब्लैक कैट कमांडो की मशहूर काली वर्दी अब बदलने जा रही है। वजह है- भयंकर गर्मी। सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) ने अपने वीआईपी सुरक्षा में लगे कमांडो के लिए नई ब्रीदेबल यानी सांस लेने वाली यूनिफॉर्म बनाने की सिफारिश की है। ये यूनिफॉर्म नायको कपड़े से बनेगी, जिसमें नायलॉन और कॉटन होता है। यह कपड़ा हवा और नमी को आसानी से बाहर निकलने देता है। अप्रैल में विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में तैनात कमांडो करीब 44 डिग्री तापमान में बेहोश हो गया था। इसके बाद ही यह फैसला लिया गया। एनएसजी को उम्मीद है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा तक कमांडो नई यूनिफॉर्म पहनने लगेंगे। विजयवाड़ा में कमांडो को आया था हीटस्ट्रोकः- एनएसजी के सूत्रों ने बताया कि अप्रैल 2026 में हुई एक घटना के बाद नई यूनिफॉर्म का फैसला लिया गया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा में तैनात एक एनएसजी कमांडो ड्यूटी के दौरान ही बेहोश होकर गिर गया। उस दिन विजयवाड़ा में तापमान लगभग 44 डिग्री था। कमांडो ने काली ओवरऑल यूनिफॉर्म के ऊपर 6 किलो की बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी। सिर पर काली बेरेट थी और कमर पर छोटे हथियार लगे थे। कमांडो को हीटस्ट्रोक और थकान हुई। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। एनएसजी की क्लोज प्रोटेक्शन फोर्स के कमांडरों और मुख्यालय के विशेषज्ञों ने घटना को गंभीरता से लिया। उन्होंने माना कि बढ़ती गर्मी और तापमान वीआईपी सुरक्षा टीमों पर शारीरिक असर डाल रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, काली ओवरऑल यूनिफॉर्म बहुत



ज्यादा गर्मी सोखती है। इसके अलावा कमांडो काला चश्मा और संचार उपकरण भी साथ रखते हैं। इससे गर्मी में उनकी परेशानी बढ़ जाती है। नायको नायलॉन और कॉटन से बना कपड़ा है। यह हवा और नमी की भाप को आसानी से बाहर निकलने देता है। इससे शरीर ठंडा रहता है। सीआरपीएफ के कोबरा कमांडो भी नायको की यूनिफॉर्म पहनते हैं।

कोबरा कमांडो जंगलों में युद्ध अभियान के लिए विशेषज्ञ होते हैं। उन्हें कई बार तेज धूप और उमस में काम करना पड़ता है। नई यूनिफॉर्म के कपड़े का ट्रायल हो चुका है। एनएसजी जल्द ही यह सामग्री खरीदेगा। उम्मीद है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की घोषणा तक एनएसजी कमांडो नई यूनिफॉर्म पहनने लगेंगे। इन चुनावों के प्रचार अभियान में एनएसजी की सुरक्षा वाले कई वीआईपी शामिल होंगे।

अब तक 6 फोर्स की यूनिफॉर्म बदली जा चुकी:-भारतीय नौसेना के लिए 2020-21 में पहली बार डिजिटल कैमोफ्लाज यूनिफॉर्म आई। ड्रेस नंबर 10ए (हल्की नीली शर्ट) को हटाया गया। अब इसे सिर्फ शुक्रवार और समंदर किनारे पर पहनने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय सेना ने 15 जनवरी 2022 में एनआईएफटी के साथ डिजाइन की नई डिजिटल पैटर्न कॉम्बैट यूनिफॉर्म लॉन्च की। कपड़ा हल्का, मजबूत, सांस लेने वाला, जल्दी सूखने वाला। शर्ट टक-इन नहीं करनी पड़ती। भारतीय वायुसेना ने 8 अक्टूबर 2022 को वायुसेना दिवस पर नई डिजिटल कैमोफ्लाज यूनिफॉर्म का ऐलान किया। पहली बार कॉम्बैट टी-शर्ट, नए बूट, बेल्ट, कैप-टर्बन। तीनों सेनाओं में डिजिटल पैटर्न पूरा हुआ। सीआरपीएफ की कोबरा फोर्स में क्यूआर 2024 में अपडेट किया गया। कोबरा को नायकों (50फीसदी नायलॉन और 50फीसदी कॉटन) वाली यूनिफॉर्म मिली। जंगल, धूप, उमस के लिए। एमएचए ने जुलाई 2024 में नया क्यूआर/स्पेसिफिकेशन जारी किया। बीएसएफ ने जून 2025 में नई डिजिटल पैटर्न लूज फिटिंग कॉम्बैट ड्रेस लॉन्च की। कपड़ा 50:50 से बदलकर 80फीसदी कॉटन और 19फीसदी पॉलीएस्टर और 1फीसदी स्पैन्डेक्स हुआ। रंग - 50फीसदी खाकी, 45फीसदी ग्रीन, 5फीसदी ब्राउन। पैटर्न पेटेंट कराया गया। सीआईएसएफ के लिए 6 नवंबर 2026 को ऐलान हुआ है, नई डिजिटल लाइटवेट फील्ड कॉम्बैट ड्रेस। कपड़ा 50:50 से बदलकर 80फीसदी कॉटन और 20फीसदी पॉलीएस्टर। पूरा बदलाव 1 अक्टूबर 2028 तक होगा। करीब 2 लाख जवानों पर लागू।

25 बड़े प्रोजेक्ट में देरी, रु2 लाख करोड़ बढ़ा खर्च, इतने में 4200 स्कूल बनते

नयी दिल्ली। देश की बड़ी परियोजनाओं में देरी अब सरकारी खजाने पर भारी पड़ रही है। केंद्र सरकार के पैमाना पोर्टल की अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक, 1,853 चालू परियोजनाओं की लागत 3.22 लाख करोड़ रुपए बढ़



गई है। सबसे ज्यादा प्रभावित 25 मेगा परियोजनाओं का बजट ही 2.11 लाख करोड़ रुपए बढ़ चुका है। यह कुल लागत-वृद्धि का करीब 65 फीसदी हिस्सा है। यह राशि इतनी बड़ी है कि इससे 50 करोड़ की लागत वाले 4,200 से अधिक स्कूल या 150 करोड़ रुपए वाले 1,400 से ज्यादा अस्पताल बनाए जा सकते थे। इससे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे जैसे दो प्रोजेक्ट भी तैयार हो सकते थे। समय-सीमा के मामले में भी स्थिति चिंताजनक है। कर्नाटक की हुबली-अंकोला रेल लाइन इसमें सबसे ऊपर है। इसे मार्च 2005 तक पूरा करना था, लेकिन अब इसका लक्ष्य मार्च 2030 कर दिया गया है यानी परियोजना 25 साल पीछे चली गई है। इसके बाद सुबनसिरी और तपोवन-विष्णुगढ़ जैसी जलविद्युत परियोजनाएं हैं, जिनकी समय-सीमा में 16 साल से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इसका मतलब यह है कि जिन सुविधाओं का लाभ जनता को एक-दो दशक पहले ही मिल जाना चाहिए था, उनके लिए अभी भी इंतजार करना पड़ रहा है। हालांकि, 1,360 परियोजनाएं ऐसी भी हैं, जो समय पर या केवल दो साल तक के विस्तार के साथ चल रही हैं। पीडब्ल्यूडी के पूर्व प्रमुख हरिओम शर्मा के मुताबिक, कई बार लंबे प्रोजेक्ट के दौरान सरकार बदलने से जब नई सरकार की प्राथमिकता बदल जाती है तो फंड जारी होने में दिक्कतें भी आती हैं, उससे प्रोजेक्ट और डिले होते हैं लेकिन अब ऐसे उदाहरण चुनिंदा ही हैं। कुछ मेगा प्रोजेक्ट्स प्रशासनिक और नीतिगत बाधाओं के कारण अटके हैं। अब देश में इंफ्रा प्रोजेक्ट्स दो चरणों में होते हैं। पहले चरण में जमीन अधिग्रहण, पर्यावरण और वन मंजूरियां ली जाती हैं, जबकि दूसरे चरण में निर्माण कार्य शुरू होता है।

2013 के कानून से उचित मुआवजा मिलने के कारण विरोध कम हुआ है। टेंडर में प्रतिस्पर्धा के कारण कई प्रोजेक्ट्स तय बजट से 10-15 फीसदी कम लागत में बन रहे हैं। आने वाले समय में बहुस्तरीय निगरानी की वजह से देरी और लागत बढ़ने की समस्या तेजी से कम होगी।

गोवा में 4 साल की बच्ची से रेप, बिहार का रहने वाला आरोपी अरेस्ट

कुशावती। गोवा में 4 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला



सामने आया है। पुलिस ने बिहार के रहने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक हफ्ते में राज्य में नाबालिग से यौन हिंसा का यह दूसरा मामला है। पुलिस के मुताबिक, घटना मंगलवार रात कुशावती जिले के काणकोण तालुका के श्रीस्थल गांव में हुई। आरोपी दो दिन पहले ही गोवा आया था और एक बेकरी में काम कर रहा था। इससे पहले रविवार रात उत्तरी गोवा के मापुसा में गुब्बारे बेचने वाले की 3 साल की बेटी के साथ भी रेप हुआ था। उस मामले में आरोपी का पता नहीं चला है।

एअर इंडिया की कोलकाता-मुंबई फ्लाइट को हाईजैक की मिली धमकी,उड़ान से पहले टॉयलेट में नोट मिला

कोलकाता। एअर इंडिया की कोलकाता-मुंबई फ्लाइट को बुधवार सुबह हाईजैक करने की



धमकी मिली। विमान के टॉयलेट में मिले एक नोट में लिखा था कि सुबह 11:10 बजे प्लेन हाईजैक कर लिया जाएगा। नोट मिलते ही क्रू ने पायलट को इसकी जानकारी दी। पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को अलर्ट किया। इसके बाद विमान को कोलकाता एयरपोर्ट के आइसोलेशन बे में ले जाया गया। यहां सुरक्षा एजेंसियों ने विमान की जांच शुरू की। विमान में उस समय 93 यात्री और 5 क्रू मेंबर सवार थे। एअर इंडिया का एयरबस A320neo कोलकाता से मुंबई जाने के लिए उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान क्रू मेंबर को टॉयलेट में यह धमकी भरा नोट मिला। फिलहाल एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से इस मामले में आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। प्लेन विस्तारा की लिवेरी के साथ ऑपरेट कर रहा था।

छोटी सी इलायची के बड़े फायदे-डाइटीशियन से जानें 7 हेल्थ बेनिफिट्स, ज्यादा खाने के नुकसान, बीपी लो है तो कम खाएं

नयी दिल्ली। हरी इलायची साइज में भले ही छोटी होती है, लेकिन इसकी खास खुशबू किसी एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सिडेंट गुणों के लिए जाने जाते हैं। इलायची में मौजूद करती है। इससे मुंह की खराब स्मेल भी कुछ समय के लिए कम होती है। पाउडर- इलायची पाउडर इलायची में बहुत से फायदेमंद तत्व होते हैं, लेकिन फिर भी इसे ज्यादा नहीं खाया जा सकता। एक बार



भी व्यंजन का जायका बदल देती है। चाय, मिठ्ठाई और कई दूसरे पकवानों में इसका इस्तेमाल सदियों से होता आ रहा है। यही वजह है कि इसे 'मसालों की रानी' कहा जाता है। आयुर्वेद में इसका इस्तेमाल डाइजेस्टिव और ओरल हेल्थ के लिए किया जाता रहा है। न्यूट्रिशन साइंस भी इसे सेहत के लिए फायदेमंद मानता है।वहीं 'फूड साइंस एंड न्यूट्रिशन' जर्नल में पब्लिश एक रिव्यू के मुताबिक, बायोएक्टिव कंपाउंड्स कंपाउंड्स/ प्रभाव- फेनॉल्स, फ्लेवोनोइड्स एंटीऑक्सिडेंट गुण, टेरपेनॉइड्स- खुशबू और स्वाद में अहम भूमिका, अल्फा टर्पिनिल एसीटेट-खास खुशबू के लिए जिम्मेदार, लिनालूल फूलों जैसी खुशबू, लिमोनीन- साइट्स जैसी खुशबू, सिनियोल- खुशबू एंटीमाइक्रोबियल गुण। सवाल- हरी इलायची के क्या हेल्थ बेनिफिट्स हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- हरी इलायची में मौजूद को चाय या अन्य व्यंजनों में आसानी से मिलाया जा सकता है। इसे व्यंजनों में मिलाने से स्वाद और खुशबू अच्छी तरह फैलती है। इसमें मौजूद सुगंधित यौगिक खाने को खास जायका देते हैं। साबुत इलायची की तरह ही इसके पाउडर में भी प्राकृतिक पोषक तत्व मौजूद रहते हैं। सवाल- क्या बड़ी इलायची भी सेहत के लिए फायदेमंद है? जवाब- हां, बड़ी इलायची में भी एंटीऑक्सिडेंट और में 3-4 इलायची से ज्यादा खाना नुकसानदायक है। अगर कोई हेल्थ कंडीशन है तो एक बार डॉक्टर की सलाह जरूर लें। सवाल- एक दिन में कितनी इलायची खाना सुरक्षित है? जवाब- सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन डॉ. अनु अग्रवाल के मुताबिक, आमतौर पर डेली 1-2 छोटी इलायची खाना ज्यादातर स्वस्थ लोगों के लिए सुरक्षित माना जाता है। सवाल- किन लोगों को इलायची नहीं खानी चाहिए? जवाब- संतुलित मात्रा में इलायची खाना आमतौर पर सभी के लिए सुरक्षित है। लेकिन कुछ लोगों को इसे खाने में सावधानी बरतनी चाहिए- ये लोग इलायची खाते हुए बरतें सावधानीः-जिनका बीपी, 'जिन्हें गालब्लैडर स्टोन है। प्रेग्नेंट महिलाएँ-जिन्हें एलर्जी है। लो रहता है। जो ब्लड थिनर दवाएं लेते हैं। जिन्हें सांस से जुड़ी समस्या है। सवाल- इलायची खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- इस दौरान कुछ बातों का खास ख्याल रखें-भरोसेमंद दुकान से ही खरीदारी करें। इलायची में नमी या सीलन की स्मेल न हो। बहुत ज्यादा चमकदार या असामान्य रंग वाली इलायची न लें। पैकेट बंद इलायची खरीदते समय पैकिंग की स्थिति, पैकिंग डेट और बेस्ट-बिफोर डेट जरूर चेक करें। पैकेट पर एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर चेक करें। पिसी की बजाय खड़ी इलायची खरीदें। पिसी इलायची में मिलावट का रिस्क होता है। इलायची से जुड़े कॉमन सवाल जवाबः-सवाल- क्या खाली पेट छोटी इलायची खाना फायदेमंद है? जवाब- इससे पाचन संबंधी



इलायची ब्लड प्रेशर कम करने में भी मददगार होता है। 'ईरानी जर्नल ऑफ बेसिक मेडिकल साइंसेज' (आईजेबीएमएस) में पब्लिश एक रिव्यू के मुताबिक, इलायची में कई ऐसे नेचुरल कंपाउंड होते हैं, जिनमें एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में इलायची के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-इलायची में कौन-से पोषक तत्व होते हैं? किन लोगों को इलायची खाने में सावधानी बरतनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर- 'वनडाइटटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- इलायची कितनी तरह की होती है? जवाब- इलायची मुख्य रूप से दो तरह की होती है-हरी इलायची- इसकी खुशबू मीठी, हल्की और ताजगी देने वाली होती है। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से मीठे व्यंजनों में किया जाता है। इसकी तासीर ठंडी होती है। इसे 'छोटी इलायची' भी कहते हैं।बड़ी इलायची-यह साइज में बड़ी और काले या भूरे रंग की होती है। इसकी खुशबू तेज और स्मॉकी होती है। इसकी तासीर गर्म होती है। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से नमकीन व्यंजनों और 'गरम मसाला' बनाने में किया जाता है। सवाल- हरी इलायची में कौन-से न्यूट्रिएंट्स होते हैं? जवाब- 'यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर' (USDA) के मुताबिक, इलायची में फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम, आयरन और फॉस्फोरस जैसे कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। सवाल- हरी इलायची में कौन-से बायोएक्टिव कंपाउंड्स होते हैं? जवाब- इलायची में कई तरह के बायोएक्टिव कंपाउंड्स होते हैं, जो अपने एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं और इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करते हैं। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर की सूजन कम करने में मदद करते हैं। इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो ओरल हेल्थ के लिए फायदेमंद हैं। इलायची के हेल्थ बेनिफिट्सः- एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों वाले कंपाउंड्स होते हैं। ये शरीर को ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस से बचाने और सूजन कम करने में मदद करते हैं। सवाल- हरी इलायची को अपनी डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं? जवाब- इलायची को रोजाना की डाइट में कई तरीकों से शामिल कर सकते हैं, जैसेकि- चाय में इलायची डाल



ओरल हेल्थ 17 बेहतर रखे। सांसों की स्मेल दूर करे। पाचन तंत्र को सपोर्ट करे। ब्लड प्रेशर संतुलित रखे। इंफ्लेमेशन कम करे। लिवर हेल्थ को सपोर्ट करे। हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद। सवाल- इलायची को साबुत चबाना ज्यादा फायदेमंद है या पाउडर के रूप में इस्तेमाल करना? जवाब- इलायची को साबुत चबाने और पाउडर के रूप में इस्तेमाल करने के फायदे लगभग समान हैं। साबुत इलायची चबाने पर उसके बीजों के तेल धीरे-धीरे निकलते हैं। जबकि पीसने पर ये हवा के संपर्क में आते हैं। इससे पाउडर की खुशबू और वाष्पशील (वोलेटाइल) तेल समय के साथ कम हो सकते हैं। इसे पॉइंटर्स से समझिए-सीधे चबाना-इलायची चबाने से मुंह में सलाइवा (लार) प्रोडक्शन बढ़ता है। लार भोजन पचाने की शुरुआती प्रक्रिया में मदद सकते हैं। दूध में इलायची पाउडर मिला सकते हैं। खीर, हलवा और दूसरी मिठ्ठाइयों में इस्तेमाल कर सकते हैं। हरी इलायची को सीधे चबाकर खा सकते हैं। स्मूदी या ओट्स में इलायची पाउडर मिला सकते हैं। सवाल- क्या डायबिटिक लोग इलायची खा सकते हैं? जवाब- हां, डायबिटीज के मरीज संतुलित मात्रा में खाने या चाय में इलायची का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, इलायची ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करती है, इसके पर्याप्त वैज्ञानिक सबूत नहीं हैं। सवाल- क्या ज्यादा इलायची खाना नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- हां, जरूरत से ज्यादा इलायची खाने से कुछ लोगों को एलर्जी या पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। सीमित मात्रा में इलायची का सेवन ज्यादातर लोगों के लिए सुरक्षित माना जाता है। समस्याओं से राहत मिल सकती है। सवाल- क्या इलायची खाने से वजन कम होता है? जवाब- इसका पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। सवाल- क्या रात में इलायची खाना सही है? जवाब- हां, सामान्य मात्रा में रात में भी इलायची खा सकते हैं। सवाल- क्या इलायची खाने से मुंह की स्मेल हमेशा के लिए दूर हो जाती है? जवाब- नहीं, इलायची चबाने से कुछ समय के लिए स्मेल कम हो सकती है, लेकिन यह इसके मूल कारण का इलाज नहीं है।सवाल- क्या इलायची की चाय रोज पी सकते हैं? जवाब- हां, सामान्य मात्रा में इलायची वाली चाय पी सकते हैं। सवाल- क्या बच्चों को इलायची खिलाना सुरक्षित है? जवाब- हां, उम्र के अनुसार खाने में थोड़ी मात्रा में इलायची इस्तेमाल कर सकते हैं।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में 13 गिरफ्तारियां,सीएम देवेंद्र फडणवीस बोले- धमकी देने वालों के गुरुओं तक भी पहुंचेंगे

मुंबई। मुंबई में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग के मामले में मुंबई पुलिस ने अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार यानी 10 नवंबर को बाहर हो सकते हैं। 3. केंद्र और दूसरे राज्यों की पुलिस से मददः मुख्य साजिशकर्ताओं तक पहुंचने के लिए केंद्र सरकार और संबंधित राज्यों की पुलिस के साथ मिलकर कार्रवाई की जा रही है। 4. मुंबई का माहौल सितारों के घरों की रेकी किए जाने की बात भी सामने आई है। कुछ समय बाद मुंबई की मेयर रितु को एक धमकियों का नोट मिला, जिसमें अमिताभ बच्चन के घर जलसा को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। हाल



इस कार्रवाई के लिए मुंबई पुलिस की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने की पूरी कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें देश के अलग-अलग हिस्सों से पकड़ लिया। फडणवीस ने यह भी कहा कि बॉलीवुड हस्तियों को धमकियां देने वाले अपराधियों के साथ-साथ उनके पीछे काम कर रहे मास्टरमाइंड और आकाओं को भी ढूंढ निकाला जाएगा। फडणवीस ने क्या-क्या कहा-'मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास 'वर्षा' में पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान बॉलीवुड सितारों की सुरक्षा और धमकियों के मुद्दे पर कई अहम बातें कहीं।' 1. अपराधियों के आकाओं को भी पकड़ेंगेः फडणवीस ने कहा कि धमकियां देने वाले लोगों के साथ-साथ पर्दे के पीछे बैठकर उन्हें निर्देश देने वाले मास्टरमाइंड को भी ढूंढ निकाला जाएगा। 2. मास्टरमाइंड महाराष्ट्र और देश के बाहर हो सकते हैं: उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में सक्रिय संदिग्धों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि, इस पूरे नेटवर्क को संचालित करने वाले मुख्य साजिशकर्ता राज्य या देश के खराब नहीं होने देंगेः उन्होंने कहा कि धमकियों के जरिए मुंबई का माहौल खराब करने की कोशिश किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। 5. मुंबई पुलिस पर भरोसाः फडणवीस ने कहा कि मुंबई पुलिस बेहद पेशेवर है और अपराधियों से निपटना अच्छी तरह जानती है। टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई थी फायरिंगः- यह घटना 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में हुई थी। टाइगर श्रॉफ फुटबॉल ग्राउंड से लौट रहे थे, तभी बाइक सवार हमलावरों ने उनकी कार पर गोलियां चलाई थीं। इस घटना में टाइगर सुरक्षित बच गए थे, हालांकि उनके ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति के घायल होने की खबर सामने आई थी। घटना के बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से सोशल मीडिया पर हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया था। मुंबई क्राइम ब्रांच ने मामले की जांच शुरू की और अलग-अलग राज्यों में कार्रवाई करते हुए अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के बाद बॉलीवुड में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। जांच के दौरान कई बड़े अक्षय कुमार समेत कई ही में आयुष्मान खुराना और तुषार कपूर को भी करोड़ों की मांग करते हुए धमकी दी गई। सेलेब्स के लिए मुंबई पुलिस ने जारी की एडवाइजरी:- आईएएनएस की रिपोर्ट के अनुसार, 10 नवंबर को बॉलीवुड सितारों की सुरक्षा को लेकर मुंबई पुलिस ने एडवाइजरी जारी की है। जिसमें सेलेब्स को ज्यादा सचेत रहने को कहा गया है। एडवाइजरी के अनुसार-सेलेब्स भीड़भाड़ वाली सार्वजनिक जगहों पर जाने से बचें। सेलेब्स अनजान और भीड़ वाली जगहों पर प्रशंसकों के साथ बातचीत न करें। सेलेब्स सार्वजनिक स्थानों पर सेल्फी लेने से बचें। सेलेब्स बड़े आयोजनों में अतिरिक्त सतर्कता बरतें। सेलेब्स अपनी निजी सुरक्षा टीम और पुलिस के संपर्क में रहें। देवेंद्र फडणवीस ने दिशा सालियान केस की जांच पर भी बात की:-बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस केस की जांच काफी देरी से शुरू हुई थी। मुंबई पुलिस ने मामले की जांच के बाद अपनी रिपोर्ट में किसी भी तरह की आपराधिक साजिश की आशंका से इनकार किया था। हालांकि, सुनवाई के दौरान अदालत ने जांच के कुछ पहलुओं पर सवाल उठाए थे और खामियां भी बताई थीं। इसके बाद मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। वहीं, दिशा के पिता पिछले कई सालों से बेटी को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने बेटी की मौत को आत्महत्या मानने से इनकार किया है। फडणवीस ने इस मामले में सीबीआई जांच पर भरोसा जताया है।दिशा सालियान बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं। 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने के बाद उनकी मौत हो गई थी। उस समय उनकी उम्र 28 साल थी। दिशा की मौत के करीब एक हफ्ते बाद, 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत अपने मुंबई स्थित घर में मृत पाए गए थे। इन दोनों घटनाओं के बीच कथित संबंध को लेकर काफी विवाद हुआ और कई तरह के सवाल उठाए गए। मुंबई पुलिस ने शुरुआत में एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की थी। बाद में पुलिस की जांच में इसे आत्महत्या बताया गया। पुलिस का कहना था कि उसे दिशा की मौत में किसी आपराधिक साजिश के सबूत नहीं मिले। दिशा के पिता सतीश सालियान ने 2025 में बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी बेटी के साथ गैंगरेप कर उसकी हत्या की गई थी और मामले में प्रभावशाली लोगों को बचाने के लिए सबूतों के साथ छेड़छाड़ की गई। उन्होंने इस मामले में एफआईआर दर्ज करने, नए सिरे से जांच कराने और जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे की कथित भूमिका की भी जांच की मांग की। बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिशा की मौत के मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया। कोर्ट ने सीबीआई को एफआईआर दर्ज करने और दिशा के पिता का बयान रिकॉर्ड करने का निर्देश दिया।

रणवीर सिंह के नाना का निधन,96 की उम्र में दिवाली पूजा के दौरान ली आखिरी सांस

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के नाना डॉ. राम हिंगोरानी का दिवाली के दिन निधन हो गया। उन्होंने 8 नवंबर को 96 साल की उम्र में लक्ष्मी पूजा के दौरान आखिरी सांस ली। रणवीर की कजिन ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी दी है। रणवीर सिंह अपने नाना के काफी करीब थे। वह अक्सर सोशल मीडिया पर उनके साथ तस्वीरें और वीडियो शेयर करते थे। साल 2023 में फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के प्रमोशन के दौरान रणवीर ने नाना का एक वीडियो शेयर किया था। इसमें वह फिल्म के गाने 'झुमका गिरा रे' पर डांस करते दिखे थे। वीडियो में डॉ. राम ने 'टीम रॉकी' लिखी टी-शर्ट पहनी थी। 93 साल की उम्र में भी उनका जोश देखने लायक था। उन्होंने रणवीर से मजाकिया अंदाज में कहा था, 'टिक्की छोड़ो, मेरे लिए टकीला लाओ।' रणवीर ने वीडियो के साथ लिखा था, 'नाना एकदम रॉकी-स्टाइल में हैं। 93 की उम्र में भी एकदम नजर आया था। रणवीर ने लिखा था, '93 साल की उम्र। बाहर 93°F तापमान। फिर भी



उन्होंने वोट दिया। वे एक वोटर हैं। मेरे रॉकस्टार नाना।' हिंगोरानी जाने-माने फिजिशियन थे डॉ. रामः-डॉ. राम हिंगोरानी



रॉकी-इंग।' रणवीर ने साल 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी नाना की तस्वीर शेयर की थी। उस समय देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही थी। इसके बावजूद 93 वर्षीय डॉ. राम वोट डालने पहुंचे थे। तस्वीर में वह शर्ट, पैंट और धूप का चश्मा पहने दिखे थे। एक पुलिसकर्मी उनकी मदद करता पेशे से डॉक्टर थे। मुंबई में उनकी पहचान एक जाने-माने फिजिशियन के तौर पर थी। अनिल कपूर के भाई संजय कपूर ने रणवीर की एक पोस्ट में कमेंट कर लिखा था कि डॉ. हिंगोरानी ने उन्हें बचपन में कई इंजेक्शन लगाए थे। रणवीर की कजिन सौम्या हिंगोरानी ने मंगलवार रात इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर लिखा, '96 साल के यंग। यह एक शानदार जीवन है, जिसका जश्न मनाया जाना चाहिए, न कि इस पर शोक जताया जाना चाहिए। मेरे दादू, डॉ. राम, दिवाली के दिन शांति से हमें छोड़कर मेरी दादी के पास चले गए। उन्होंने इसके लिए इससे बेहतर और शुभ समय नहीं चुना हो सकता था।' सौम्या ने आगे लिखा, 'दिन का सबसे खास समय, लक्ष्मी पूजा के दौरान मुझे यकीन है कि वे दोनों अपनी कुर्सियों पर बैठकर व्हिस्की पी रहे होंगे और हमें एक साथ देखकर खुश हो रहे होंगे। दुनिया के सबसे अच्छे दादू होने के लिए धन्यवाद। हमें सब कुछ देने के लिए धन्यवाद। मेरे लिए आइसक्रीम का एक स्कूप बचा कर रखना, जब तक हम फिर से साथ न नाचें। हरि ओम।' बता दें कि रणवीर सिंह और संजय कपूर, अनिल कपूर का परिवार रिश्तेदार हैं। दरअसल, रणवीर सिंह की मां अंजू और अनिल कपूर की पत्नी सुनीता कजिन हैं। 'धुरंधर' के बाद 'प्रलय' में दिखेंगे रणवीरः- रणवीर सिंह इन दिनों अपनी अगली फिल्म 'प्रलय' की तैयारी में जुटे हैं। जय मेहता के निर्देशन में बन रही यह फिल्म एक सर्वाइवल थ्रिलर है। इसकी कहानी तबाही के बाद के मुंबई शहर पर आधारित होगी। फिल्म में जॉम्बी के हमले के बाद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष करते दिखाया जाएगा। यह फिल्म रणवीर के लिए खास है। इसके जरिए वह अपने प्रोडक्शन बैनर 'मां कसम फिल्म्स' के तहत बतौर निर्माता शुरुआत कर रहे हैं। वह इस प्रोजेक्ट को अनन्या बिड़ला के 'बिड़ला स्टूडियो' और हंसल मेहता व साहिल सहगल के 'टू स्टोरी फिल्म्स' के साथ मिलकर बना रहे हैं। फिल्म की शूटिंग अगस्त 2026 में मुंबई में शुरू हुई थी। इसमें कल्याणी प्रियदर्शन भी नजर आएंगी। कल्याणी प्रियदर्शन इस फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।